▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 179 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 24-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 बंगाल में बंगाली सुरक्षित नहीं, बदलाव का समय आ गया : नड्डा

6 राष्ट्रीय बालिका दिवस : सशक्त बेटियाँ, समृद्ध राष्ट्र

7 'गनमास्टर जी9' से नई शुरुआत करने जा रही जेनेलिया देशमुख

फर्स्ट टेक

ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश को नाकाम किया गया

अमरेली/भाषा। गुजरात के अमरेली जिले में रेल पटरी पर पत्थर और सीमेंट के खंभे रखकर एक यात्री ट्रेन को पटरी से उतारने की साजिश को उस समय विफल कर दिया गया जब लोको पायलट ने आपातकालीन ब्रेक लगा दिया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार की शाम को खिजड़िया जंक्शन और चितल रेलवे स्टेशन के बीच उस समय घटी जब भावनगर-पोरबंदर यात्री ट्रेन (59560) खिजड़िया गांव से गुजर रही थी। इसने बताया कि लोको पायलट ने पटरी पर रखे पत्थर और सीमेंट के खंभे देखे, जो स्पष्ट रूप से दुर्घटना कराने के इरादे से रखे गए थे, और उसने तुरंत ब्रेक लगा दिए, जिससे एक संभावित हादसा टल गया। रेलवे पुलिस और स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की।

यूक्रेन, रूस और अमेरिका अबू धाबी में बैठक करेंगे

दावोस/एपी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि अबू धाबी में रूस और अमेरिका के साथ होने वाली बैठक में यूक्रेन के पूर्वी डोनबास क्षेत्र का भविष्य एक प्रमुख मुद्दा होगा। यूक्रेन, रूस और अमेरिका के वार्ताकार शुक्रवार को रूस के लगभग चार साल से जारी व्यापक आक्रमण को समाप्त करने के लिए अबू धाबी में बैठक करेंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूतों के साथ रातभर चली लंबी वार्ता के दौरान यूक्रेन में समझौते पर चर्चा करने के कुछ घंटों बाद त्रिपक्षीय वार्ता हुई। रूसी राष्ट्रपति भवन 'क्रेमलिन' ने कहा कि शांति समझौते तक पहुंचने के लिए, कीव को पूर्व के उन क्षेत्रों से अपनी सेना वापस बुलानी होगी जिन्हें रूस ने अवैध रूप से अपने कब्जे में ले लिया था लेकिन कभी भी पूरी तरह से कब्जा नहीं किया था।

अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ से हटने की प्रक्रिया पूरी की

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से हटने की प्रक्रिया पूरी कर ली है। संघीय अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह घटनाक्रम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के वैश्विक स्वास्थ्य निकाय के प्रति वाशिंगटन की 78 साल पूरी प्रतिबद्धता खत्म किए जाने का नोटिस देने के लगभग एक साल बाद सामने आया है। हालांकि, इस सिलसिले में कुछ सवाल अभी भी अनसुलझे हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक, अमेरिका को वैश्विक स्वास्थ्य निकाय को 13 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने हैं। वहीं, ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि कुछ मुद्दों को अभी नहीं सुलझाया जा सका है।

द्रमुक और 'सीएमसी' को जड़ से उखाड़ फेंकना है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरंतकम (तमिलनाडु)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए शुक्रवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर जोरदार हमला बोला और उसे 'सीएमसी' करार दिया। प्रधानमंत्री के अनुसार, सीएमसी का अर्थ है 'करप्शन, माफिया, क्राइम'।

मोदी ने कहा कि राज्य में ''भ्रष्ट'' द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है।

मोदी ने राजग के घटक दलों – अन्नाद्रमुक, एएमएमके और पीएमके (अंबुमणि गुट) के कार्यकर्ताओं और आम जनता की विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''द्रमुक 'सीएमसी' है यानी – भ्रष्टाचार, माफिया और अपराध को बढ़ावा देने वाली सरकार। तमिलनाडु की जनता ने द्रमुक और 'सीएमसी' को जड़ से उखाड़ फेंकने का मन बना लिया है।'' राजग के प्रमुख घटक दल ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी सहित गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं ने इस रैली में भाग लिया।

गठबंधन दलों के नेताओं ने मोदी को स्मृति चिह्न के रूप में चांदी की तिरुप्पारनकुंड्रम मुरुगन प्रतिमा और इलायची की माला भेंट की। थिरुप्पारनकुंड्रम के भगवान मुरुगन मंदिर में कार्तिकई दीपक जलाने के विवाद को लेकर उन्होंने कहा, ''जहां हमारे नेताओं ने भक्तों के अधिकारों का समर्थन किया, वहीं द्रमुक ने वोट बैंक की राजनीति के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। पार्टी ने अदालत का भी सहारा लिया।''

तमिलनाडु विधानसभा की 234 सीटों के लिए होने वाले चुनावी मुकाबले का बिगुल फूंकते हुए, मोदी ने रैली में जुटी भारी भीड़ की ओर इशारा किया और कहा कि ''भाजपा-राजग की 'डबल इंजन' सरकार निश्चित रूप से बनेगी। लोगों का यह विशाल जनसमूह पूरे तमिलनाडु और देश के लिए एक सशक्त संदेश है; तमिलनाडु बदलाव के लिए तैयार है।''

जैश-ए-मोहम्मद का एक आतंकवादी मुठभेड़ में ढेर

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) का एक पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। जम्मू रेंज के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी ने बताया कि बिल्लावार इलाके में एक संयुक्त अभियान के दौरान आतंकवादी को मार गिराया गया। जम्मू पुलिस प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिल्लावार में सेना और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के साथ संयुक्त अभियान में जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक पाकिस्तानी जैश आतंकवादी को मार गिराया।

अपनी 'कमजोरी' का असर अर्थव्यवस्था पर न पड़ने दें प्रधानमंत्री : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

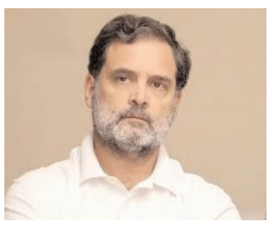

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अमेरिकी शुल्क के कारण भारतीय कपड़ा उद्योग को ''हो रहे नुकसान'' को लेकर शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उन्हें अपनी 'कमजोरी' का असर अर्थव्यवस्था पर और नहीं पड़ने देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता होना चाहिए जिसमें भारतीय व्यवसाय और मजदूरों को तवज्जो मिले।

राहुल गांधी ने हाल ही में गुरुग्राम के निकट मानेसर में एक कपड़ा फैक्ट्री का दौरा किया और इसका वीडियो उन्होंने शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। राहुल ने कहा, ''मोदी जी, आपकी जवाबदेही बनती है, कृपया इस मामले पर ध्यान दीजिए।''

उनका कहना था, ''भारत का कपड़ा उद्योग हमारी अर्थव्यवस्था में रोजगार देने के मामले में दूसरा सबसे बड़ा क्षेत्र है। हमारे कपड़े दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं, और हमारे दर्जियों की कारीगरी का सच में कोई मुकाबला नहीं है।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि अमेरिकी शुल्क के कारण कपड़ा उद्योग बहुत अनिश्चितता का सामना कर रहा है। राहुल गांधी ने दावा किया, ''अमेरिका ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, यूरोप में कीमतें गिर रही हैं, बांग्लादेश एवं चीन से कड़ा मुकाबला है, हमारे कपड़ा उद्योग और कपड़ा निर्यातक हर तरफ से पिस रहे हैं।'' उनका कहना था, ''इसका सीधा असर नौकरियों पर पड़ रहा है, इकाइयां बंद हो रही हैं, खरीद घट रही है और पूरे क्षेत्र में खलबली है।''

हर भारतीय को स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी और कहा कि हर भारतीय को देश की स्वतंत्रता के लिए लड़ने वाले सभी लोगों का सम्मान करना चाहिए।

राधाकृष्णन ने बोस के निडर नेतृत्व, अदम्य साहस और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनका जीवन 'पराक्रम' के सच्चे सार का प्रतीक है, जो भावी पीढ़ियों को साहस, बलिदान एवं राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने की प्रेरणा देता आया है।

उपराष्ट्रपति शुक्रवार को ओडिशा की अपनी पहली यात्रा पर सुबह भुवनेश्वर पहुंचे और कटक में बोस की जयंती पर आयोजित पराक्रम दिवस समारोह में हिस्सा लिया।

उड़िया बाजार में आयोजित कार्यक्रम में दिखाए गए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वीडियो संदेश का जिक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 2021 में बोस की जयंती को 'पराक्रम दिवस' घोषित करके उन्हें उचित सम्मान दिया।

राधाकृष्णन ने कहा, ''विचार में मतभेद हो सकते हैं, आजादी के लिए लड़ाई के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं... लेकिन हर भारतीय को महान बलिदानों को मान्यता देनी चाहिए और उनका सम्मान करना चाहिए।''

उपराष्ट्रपति ने याद दिलाया कि 2018 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में रॉस द्वीप का नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप कर दिया था।

चुनाव से कुछ सप्ताह पहले बांग्लादेश की जनता से हसीना ने कहा

'अवैध' यूनुस शासन को उखाड़ फेंको

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शुक्रवार को देश की जनता से मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया और कहा कि अगर यह सत्ता में बनी रहती है तो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव संभव नहीं होंगे।

ढाका से नयी दिल्ली आने के 17 महीने बाद भारत में अपने पहले सार्वजनिक भाषण में, अवामी लीग की नेता ने यह भी कहा कि बांग्लादेश को संयुक्त राष्ट्र से पिछले वर्ष की घटनाओं की ''निष्पक्ष जांच'' करने का आग्रह करना चाहिए। उन्होंने लोगों से संविधान को ''बहाल'' करने और धार्मिक अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए एकजुट होने का आह्वान किया।

नयी दिल्ली में एक कार्यक्रम में हसीना का पहले से रिकॉर्ड किया गया ऑडियो क्लिप चलाया गया। यह संदेश बांग्लादेश में 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनावों के लिए प्रचार शुरू होने के एक दिन बाद आया। अवामी लीग पार्टी को चुनाव लड़ने से रोक दिया गया है। अपने संबोधन में हसीना ने यूनुस पर जमकर हमला बोला और उन पर ''अवैध'' शासन चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि देश अब ''चरमपंथी सांप्रदायिक ताकतों और विदेशी अपराधियों के भयावह हमले से तबाह'' है।

अगस्त 2024 में सरकार विरोधी व्यापक आंदोलन के कारण 78 वर्षीय हसीना को ढाका छोड़कर भारत आना पड़ा था। तब से वह भारत में रह रही हैं।

बब्बर खालसा के पांच आतंकवादी गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। गणतंत्र दिवस से पहले पंजाब पुलिस ने शुक्रवार को दो आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर प्रतिबंधित संगठन बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के पांच आतंकवादियों को गिरफ्तार करने का दावा किया है।

पुलिस ने बताया कि राज्य के विभिन्न इलाकों से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया है।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि अमृतसर स्थित राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ (एसएसओसी) ने बब्बर खालसा के सदस्य शरणप्रीत सिंह की गिरफ्तारी के साथ ही एक सुरक्षा प्रतिष्ठान पर होने वाले संभावित हमले को टाल दिया।

शरणप्रीत सिंह, तरन तारन के दिनेवाल गांव का रहने वाला है।

भारत को 2047 तक विकसित बनाने की यात्रा एक 'समुद्री सफर': नौसेना प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने 'विकसित भारत 2047' की तुलना एक समुद्री यात्रा से करते हुए शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि भारत समेत दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं व्यापार और विकास के लिए महासागरों पर काफी हद तक निर्भर हैं।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि दुनिया का 90 प्रतिशत निर्यात-आयात (एक्सिम) व्यापार समुद्र के रास्ते होता है और भारत का 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को 2047 तक प्राप्त करने के लिए महासागर प्राथमिक माध्यम बन जाते हैं। उन्होंने 'सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड' (सीसीएल) के 'दरभंगा हाउस' सम्मेलन कक्ष में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, ''विकसित भारत 2047 अब केवल एक नीति नहीं रहा, यह अब एक वास्तविकता बन गया है और यह लक्ष्य हासिल करने के लिए स्पष्ट पड़ाव तय किए गए हैं। जैसा कि हम जानते हैं, हमारा 95 प्रतिशत व्यापार समुद्री मार्गों से होता है और दुनिया का भी करीब 90 प्रतिशत व्यापार इन्हीं पर निर्भर है। हम भौगोलिक रूप से भाग्यशाली हैं कि हमारा देश तीन तरफ से महासागरों से घिरा है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इन्हें हर प्रकार की बाधा से मुक्त रखें।'' उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले प्रतिक्रिया देने वाली शक्ति है और आज दुनिया इसे इसी रूप में पहचान रही है।

नौसेना प्रमुख ने कहा, ''नीली अर्थव्यवस्था का हमारी अर्थव्यवस्था में योगदान अभी सिर्फ चार प्रतिशत है जो बहुत कम है और विकसित भारत के लक्ष्य के अनुरूप इसे दहाई अंकों तक बढ़ाया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि एक और महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि ''हमारी ऊर्जा जरूरतों का 88 प्रतिशत समुद्र के रास्ते आता है और यदि कच्चे तेल की कीमत प्रति मीट्रिक टन एक अमेरिकी डॉलर बढ़ती है।

वैश्विक चुनौतियों का स्थायी समाधान प्रदान करता है 'एकात्म मानववाद'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती(आंध्र प्रदेश)/भाषा। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी के विचारक दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित 'एकात्म मानववाद' का दर्शन राष्ट्रीय और वैश्विक चुनौतियों के लिए स्थायी समाधान प्रदान करता रहता है।

यहां 'भारतीय जनसंघ राष्ट्रीय सम्मेलन' में संबोधित करते हुए रेड्डी ने कार्यक्रम स्थल को 'पवित्र' बताया और याद दिलाया कि 1965 में यहां एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था। उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के साथ आयोजित किया गया। सुभाष चंद्र बोस की जयंती को 'पराक्रम दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद रेड्डी ने कहा, ''एकात्म मानवतावाद का दर्शन आज भी प्रासंगिक है और राष्ट्र व विश्व के सामने आने वाली चुनौतियों का स्थायी समाधान प्रदान करता है।'' उन्होंने कहा कि 60 साल पहले, 23 जनवरी को 'एकात्म मानववाद' के दर्शन को पहली बार इसी स्थान पर प्रतिपादित किया गया था। उन्होंने इसे 'महान ऐतिहासिक महत्व का क्षण' बताया।

रेड्डी ने कहा कि भारत को स्वतंत्रता मिलने के बावजूद सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गांधी, श्री अरबिंदो, बाल गंगाधर तिलक और लाला लाजपत राय जैसे राष्ट्रीय नेताओं के विचारों को दरकिनार कर दिया गया और इसके विपरीत व्यक्तिवाद, समाजवाद और साम्यवाद जैसी पश्चिमी विचारधाराओं को प्रमुखता मिली।

रेड्डी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने दीर्घकालिक राष्ट्रीय मुद्दों के समाधान के लिए 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांतों का पालन किया है।

'एकात्म मानववाद' एक सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक दर्शन है जो मानव जीवन के प्रति समग्र दृष्टिकोण की वकालत करता है, जिसमें व्यक्ति, समाज और प्रकृति की आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित किया जाता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पदाधिकारी उपाध्याय (1916-1968) भारतीय जनसंघ के संस्थापक नेताओं में से एक थे।

सूर्यकुमार, इशान की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से

भारत ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। कप्तान सूर्यकुमार यादव (नाबाद 82) और 'प्लेयर ऑफ द मैच' इशान किशन (76) की आक्रामक पारियों के दम पर भारत ने पांच मैचों की शृंखला के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में शुक्रवार को यहां न्यूजीलैंड को रिकॉर्ड 28 गेंद शेष रहते सात विकेट से हराया।

बल्लेबाजी के लिए आसान परिस्थितियों में न्यूजीलैंड को छह विकेट पर 208 रन पर रोकने के बाद भारत ने महज 15.2 ओवर में तीन विकेट पर रन के साथ शृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली। भारत ने 28 गेंद शेष रहते हुए जीत दर्ज की जो टी20 अंतरराष्ट्रीय में 200 से अधिक रन का पीछा करते हुए सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के नाम था जिसने पिछले साल न्यूजीलैंड के खिलाफ ही 24 गेंद शेष रहते 205 रन के लक्ष्य को हासिल किया था।

टी20 विश्व कप से पहले लय हासिल करते हुए सूर्यकुमार ने 23 पारियों से चले आ रहे अर्धशतक के सूखे को खत्म किया। उन्होंने 37 गेंद की नाबाद पारी के दौरान नौ चौके और चार छक्के लगाने के अलावा तीसरे विकेट के लिए इशान के साथ महज 49 गेंद में 122 और शिवम दुबे (नाबाद 36) के साथ चौथे विकेट के लिए 37 गेंद में 81 रन की अटूट की साझेदारी के साथ टीम के आसानी से जीत दिला दी।

भारत ने इसके साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में लक्ष्य का सफलता से सबसे बड़े स्कोर के पीछा करने के अपने रिकॉर्ड की बराबरी की। टीम ने इससे पहले 2023 में विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी लक्ष्य का पीछा करते हुए 209 रन बनाये थे।

राष्ट्रीय टीम में अपनी वापसी को सही साबित करते हुए इशान ने 32 गेंद की पारी में 11 चौके और चार छक्के लगाये जबकि दुबे ने 18 गेंद की नाबाद पारी में तीन छक्के और एक चौका जड़ा।

न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी, जैकब डफी और ईश सोढ़ी ने एक-एक विकेट लिये।

इससे पहले कुलदीप यादव ने बीच के ओवरों में दो अहम विकेट लेकर शानदार वापसी की, जिससे भारत ने न्यूजीलैंड को छह विकेट पर 208 रन पर रोक दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से रचिन रवींद्र (44 रन, 26 गेंद) और कप्तान मिचेल सैंटनर (नाबाद 47 रन, 27 गेंद) ने अलग-अलग चरणों में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को 200 रन के पार पहुंचाया।

ट्रंप ने जेपी मॉर्गन पर पांच अरब डॉलर का मुकदमा दायर किया

न्यूयॉर्क/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बैंकिंग क्षेत्र की दिग्गज जेपीमॉर्गन चेस और उसके सीईओ जेमी डिमॉन पर पांच अरब डॉलर का मुकदमा दायर किया है। ट्रंप का आरोप है कि जनवरी 2021 में उनके पद छोड़ने के बाद जेपीमॉर्गन ने राजनीतिक कारणों से उन्हें और उनके व्यवसायों को बैंकिंग सेवाएं देना बंद कर दिया था। फ्लोरिडा के मियामी-डेड काउंटी कोर्ट में दायर मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि जेपीमॉर्गन ने फरवरी 2021 में बिना किसी स्पष्टीकरण के मात्र 60 दिन के नोटिस पर कई खाते अचानक बंद कर दिए। ट्रंप का दावा है कि जेपीमॉर्गन और डिमोन के ऐसा करने से राष्ट्रपति और उनके व्यवसायों को लाखों डॉलर का नुकसान हुआ, उनके कामकाज में बाधा आई और ट्रंप तथा व्यवसायों को मजबूरन अन्य बैंकों में तत्काल खाते खोलने पड़े। मुकदमे में आरोप लगाया गया है कि ''जेपीएमसी ने (ट्रंप और उनके व्यवसायों को) बैंकिंग सेवाओं से बाहर कर दिया क्योंकि उसका मानना था कि उस समय की राजनीतिक लहर ऐसा करने के पक्ष में थी।''

24-01-2026 सूर्यास्त 6:06 बजे	25-01-2026 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
81,537.70 (-769.66)	25,048.65 (-241.25)

सोना	चांदी
16,186 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	334,591 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

व्याकुल प्रतिभाएं

नक्काल हो रहे हाईटेक,
प्रतिभाएं व्याकुल पढ़ने से।
आरक्षित कोटे रोक रहे,
मेधा को आगे बढ़ने से।
हो रहा पतन विद्वानों का,
नेताओं के मद चढ़ने से।
मच रही लूट आपाधापी,
अपने-अपने हित गढ़ने से।।

स्वयम-जेबीएन वी कनेक्ट की सातवीं बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह स्वयम-जेबीएन वी कनेक्ट द्वारा 7वीं बैठक का आयोजन लेडीज अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना की अध्यक्षता में राजाजीनगर कार्यालय में किया गया। इस मौके पर महिला कोषाध्यक्ष एवं स्वयम संयोजिका तनुजा मेहता सहित रेफ़रल हेड लीला पितलिया, रेफ़रल लीड मीनू जैन एवं रेफ़रल सेक्रेटरी संगीता जैन आदि उपस्थित थीं। मुख्य सत्र में टोस्टमास्टर एवं स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षक लता नाहर ने 'फायर ऑफ सक्सेस' विषय पर अपना समृद्ध कॉर्पोरेट अनुभव साझा करते हुए व्यावहारिक दृष्टिकोण और वास्तविक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से सदस्यों को आत्मविश्वास, प्रभावी संचार एवं सकारात्मक सोच के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर अन्य सदस्याओं ने व्यवसायिक प्रस्तुतीकरण दिया। बैठक में अनेक सदस्याओं को उनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया ।

ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जय अम्बे मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट के बिन्नी मिल रोड स्थित संतोषी मां मंदिर का 22वां वार्षिकोत्सव वसंत पंचमी पर मनाया गया। इस मौके पर मंदिर की विशेष सजावट की गई तथा प्रतिमाओं की विशेष अंगरचना की गई। महोत्सव के मौके पर मंदिर का ध्वजारोहण किया गया । अमरध्वजा कायमी के लाभार्थी रमेशकुमार अशोकुमार किशोरकुमार गिलुंडिया परिवार ने मंदिर के शिखर पर सरंक्षिका मृदुलाबेन जाडेजा के मार्गदर्शन में पूरे विधि विधान से ध्वजारोहण किया।

चुनौतियों के बाद भी आवासीय और वाणिज्यिक बिक्री में विस्तार

बेंगलूरु। ब्रिगेड ग्रुप के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एम.आर. जयशंकर ने बेंगलूरु में आयोजित दक्षिण भारत ज्ञान सम्मेलन, 'क्रेडई साउथकॉन-2026' में कहा, दक्षिण भारत के रियल एस्टेट बाजार ने 2025 का समापन अनुमानित 20,000 करोड़ के आवासीय बिक्री मूल्य के साथ किया, जो महामारी के दौर से निर्णायक रूप से उबरने का संकेत है और उभरते टियर-2 और टियर-3 शहरों की ओर एक गहरे संरचनात्मक बदलाव का संकेत देता है।

जयशंकर के अनुसार, अहमदाबाद, लखनऊ, इंदौर और कानपुर सहित उत्तर और पश्चिम में स्थित कहीं अधिक बड़े टियर-2 शहरों की उपस्थिति के कारण दक्षिण भारत अभी भी पूर्ण पैमाने पर अखिल भारतीय बाजार से पीछे है। इसके विपरीत, दक्षिण भारत के टियर-2 के प्रमुख शहर, विशेष रूप से कोयंबटूर, कोच्चि, त्रिवेंद्रम और तेजी से विकसित हो रहे विशाखापत्तनम (विजाग), अब इस क्षेत्र के प्रमुख विकास इंजन के रूप में उभर रहे हैं। दक्षिण भारत के वाणिज्यिक रियल एस्टेट ने 2025 के अनुमानों को पार कर लिया है, हालांकि इसकी मांग मध्यम स्तर की है। 2-4 मिलियन वर्ग फुट (कार्यालय), 4-8 मिलियन वर्ग फुट (खुदरा/मॉल), 8-12 मिलियन वर्ग फुट है।

डॉलर के मुकाबले गिरते रुपए को लेकर आदित्य ठाकरे ने केंद्र, भाजपा पर निशाना साधा

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के नेता आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के नए निचले स्तर पर पहुंचने को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण देने के मामले में भाजपा ने चुप्पी साध ली है। ठाकरे ने कहा कि रुपया नए निचले स्तर पर आ गया है और अब यह दुनिया की सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक है।

शिवसेना (उबाठा) विधायक ने कहा, भाजपा की केंद्र सरकार और उसके सदस्य, जिन्होंने कभी डॉलर के मुकाबले रुपए के 40 के स्तर पर होने को लेकर हंगामा मचाया हुआ था, अब डॉलर के मुकाबले 91.99 रुपए पर नागरिकों को स्पष्टीकरण देने की जहमत तक नहीं उठाते। रुपया शुक्रवार को कारोबार के दौरान सर्वकालिक निचले स्तर 92 पर पहुंच गया। हालांकि, अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मामूली सुधार के साथ 91.88 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी के दबाव और वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति से घरेलू मुद्रा दबाव में रही।

जीएसटीएन ने पान मसाला के खुदरा बिक्री मूल्य आधारित मूल्यांकन पर परामर्श जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। जीएसटी नेटवर्क ने शुक्रवार को पान मसाला जैसे तंबाकू उत्पादों के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) आधारित मूल्यांकन पर एक परामर्श जारी किया। ई-इनवॉइस, ई-वे बिल और मासिक बिक्री रिटर्न फॉर्म जीएसटीआर-1 एवं इनवॉइस प्रस्तुत करने की सुविधा में सूचना देने के लिए यह परामर्श जारी किया गया है।

वित्त मंत्रालय ने पान मसाला पर उच्चतम 40 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) दर के ऊपर स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर को अधिसूचित किया है, जो एक फरवरी से प्रभावी है। कुल कर का बोझ 88 प्रतिशत के मौजूदा स्तर पर ही रहेगा। इस समय पान मसाला पर 28 प्रतिशत जीएसटी और साथ ही एक क्षतिपूर्ति उपकर लगाया जाता है। एक फरवरी से पान मसाला के खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) के प्रतिशत के रूप में जीएसटी लगाया जाएगा और उपकर निर्माता की स्थापित उत्पादन क्षमता पर लगाया जाएगा। परामर्श जारी करते हुए जीएसटीएन ने कहा कि करदाताओं को कर योग्य मूल्य क्षेत्र में शुद्ध बिक्री मूल्य की सूचना देनी होगी।

बसंत पंचमी

प्रयागराज में शुक्रवार को इंटरनेशनल किन्नर अखाड़े के सदस्य प्रयागराज में चल रहे 'माघ मेले' के दौरान 'वसंत पंचमी' त्योहार के मौके पर रस्में निभाते हुए।

बारिश के बीच गणतंत्र दिवस परेड के लिए 'फुल ड्रेस रिहर्सल' संपन्न, फ्लाईपास्ट नहीं हो पाया

नई दिल्ली/भाषा

राष्ट्रीय राजधानी में 77वीं गणतंत्र दिवस परेड के लिए शुक्रवार को बारिश के बीच 'फुल ड्रेस रिहर्सल' किया गया। बारिश की वजह से पूर्वाभ्यास में थोड़ा विलंब हुआ और सैन्य कर्मियों और कलाकारों ने भीगते हुए कर्तव्य पथ पर मार्च किया।

अधिकारियों ने बताया कि खराब मौसम के मद्देनजर फ्लाईपास्ट और परेड के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के कुछ हिस्सों का पूर्वाभ्यास नहीं किया जा सका। उन्होंने बताया कि परेड का 'फुल ड्रेस रिहर्सल' पूर्वाह्न करीब 10:30 बजे से पूर्वाह्न 11:45 के बीच हुआ।

हर साल फुल ड्रेस रिहर्सल के दिन भी दर्शकों की भारी भीड़ देखने को मिलती है जिसके लिए आधिकारिक पास जारी किए जाते हैं। हालांकि, खराब मौसम के कारण शुक्रवार को दर्शक दीर्घाओं में सन्नाटा पसरा रहा।

बारिश की बौछारों ने शहर के कुछ हिस्सों में यातायात को भी बाधित कर दिया, लेकिन इससे मार्च करने वाले दल के सदस्यों का उत्साह कम नहीं हुआ।

परेड के मार्ग, विजय चौक से लाल किले तक विभिन्न हथियार प्रणालियों के साथ सैन्यकर्मी मार्च करते हुए निकले, और भीगने के बावजूद उन्होंने उच्च मनोबल और जोश का प्रदर्शन किया।

गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेने वाली सेना की टुकड़ियों में से एक के कमांडर ने 'पीटीआई-भाषा'को बताया, बारिश हुई और ठंड एक चुनौती थी। लेकिन मुझे लगता है कि हम सभी के भीतर का जोश हमें उत्साहित करता है क्योंकि हमें कर्तव्य पथ पर अपनी सेवा या किसी मंत्रालय या संगठन का प्रतिनिधित्व करने का सम्मान प्राप्त हुआ है।

परेड के मुख्य आकर्षणों में से एक, फ्लाईपास्ट देखने के लिए विशेष रूप से आए कई दर्शक निराश हुए। हालांकि, कुछ लोगों ने कहा कि वे भारत की सैन्य शक्ति और सांस्कृतिक विरासत के भव्य प्रदर्शन को देखकर भी संतुष्ट हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में ब्रह्मोस और आकाश मिसाइल प्रणालियों के साथ-साथ कई स्वदेशी हथियारों का प्रदर्शन किया जाएगा।

रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने पहले बताया था कि पारंपरिक प्रथा के तहत दर्शक दीर्घाओं के लिए 'वीवीआईपी' और अन्य नामों का प्रयोग किया जाता था लेकिन इससे हटकर इस बार सभी स्थानों का नाम भारतीय नदियों के नाम पर रखा गया है। उन्होंने बताया कि इनमें ब्यास, ब्रह्मपुत्र, चंबल, चिनाब, गंडक, गंगा, घाघरा, गोदावरी, सिंधु, झेलम, कावेरी, कोसी, कृष्णा, महानदी, नर्मदा, पेन्नार, पेरियार, रावी, सोन, सतलुज, तीस्ता, वैगई और यमुना शामिल हैं।

वाराणसी निवासी और प्रशासनिक सेवा परीक्षा की तैयारी के लिए दिल्ली में रह रहे प्रभात गौरव (23) ने कहा कि उन्होंने किसी तरह अपने मोबाइल फोन और पर्स को भीगने से बचाने के लिए कुछ पॉलिथीन बैग का इंतजाम किया।

गौरव रिहर्सल देखने के दौरान पूरी तरह से भीग गए थे और उन्होंने अपना परेड एंट्री पास का बचा हुआ हिस्सा दिखाया जो पूरी तरह से भीगा हुआ था।

प्रतिमा का अनावरण

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर विधान सौधा के उत्तर-पूर्वी हिस्से में पुनः स्थापित की गई नेताजी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करके उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में विधायक रिजवान अरशद, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नासिर अहमद सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जम्मू के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी, मैदानी इलाकों में बारिश

जम्मू/भाषा। प्रसिद्ध माता वैष्णो देवी मंदिर सहित जम्मू क्षेत्र के ऊंचाई वाले इलाकों में हुई मध्यम से भारी बर्फबारी के कारण कई अहम सड़कों को यातायात के लिए बंद करना पड़ा। इसकी वजह से हवाई और रेल यातायात भी प्रभावित हुआ है।

अधिकारियों ने बताया कि पुंछ और उधमपुर जिलों के बर्फ से ढके इलाकों से 100 से अधिक फंसे हुए लोगों को बचाया गया। वहीं, जम्मू शहर सहित मैदानी इलाकों में मध्यम बारिश हुई, जिससे दो महीने से अधिक समय से जारी शुष्क मौसम खत्म हो गया। अधिकारियों ने बताया कि मौसम विभाग की भविष्यवाणी के अनुसार बृहस्पतिवार देर शाम अधिकांश ऊंचाई वाले इलाकों में तेज हवाओं के साथ बर्फबारी शुरू हुई। उन्होंने बताया कि जम्मू शहर सहित मैदानी इलाकों में रात भर रुक-रुक कर बारिश होती रही। अधिकारियों ने बताया कि रामबन, डोडा, किश्तवाड़, पुंछ, राजौरी, रियासी, उधमपुर और कठुआ जिलों के ऊचांई वाले इलाकों में रुक-रुक कर बर्फबारी जारी है। उन्होंने बताया कि कई इलाकों में कुछ इंच से लेकर दो फीट से अधिक तक बर्फबारी हुई।

अधिकारियों के मुताबिक दिसंबर के आखिरी सप्ताह में ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात हुआ था। हालिया बारिश से लोगों, विशेषकर किसानों और पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों को राहत मिली और क्षेत्र में शुष्क मौसम खत्म हो गया।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुंछ जिले के मेंढर क्षेत्र के तोतागली में फंसे 70 लोगों को खराब मौसम के बावजूद सुरक्षित निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि कृष्णा घाटी क्षेत्र में भारी बर्फबारी के कारण फंसे 30 अन्य यात्रियों को भी सुरक्षित निकाल लिया गया है।

एक अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के बावजूद पुलिस ने एक और बचाव अभियान चलाया गया और उधमपुर जिले के बसंतगढ़ क्षेत्र के चोचरू गल्ला में बर्फबारी की वजह से फंसी महिलाओं और बच्चों सहित 12 लोगों को बचा लिया गया।

इसी बीच,माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, श्री माता वैष्णो देवी भवन (रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों के ऊपर स्थित) में मौसम की पहली बर्फबारी हुई। भक्तों को मनमोहक मौसम का अनुभव करने का मौका मिला क्योंकि ताजा बर्फ ने धीरे-धीरे मां वैष्णो देवी भवन और भैरव मंदिर के पवित्र परिसर को सुशोभित कर दिया, जिससे वातावरण शांति, भक्ति और दिव्य आनंद से भर गया।

अधिकारियों ने बताया कि एहतियात के तौर पर ताराकोटे और बाणगंगा दोनों मार्गों से यात्रा को अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया था, लेकिन अब इसे बहाल कर दिया गया है।

कश्मीर को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाली एकमात्र साल भर खुली रहने वाली सड़क, 270 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग को बर्फबारी की वजह से यातायात के लिए बंद करना पड़ा है जिससे, हजारों वाहन फंसे हुए हैं।

गिरिराज सिंह का कपड़ा क्षेत्र पर टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी पर तीखा हमला

नई दिल्ली/भाषा

केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने शुक्रवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पिछले 11 वर्षों में कपड़ा निर्यात बढ़ा है और इस क्षेत्र में पांच करोड़ रोजगार पैदा हुए हैं।

सिंह ने एक्स पर गांधी की एक पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस नेता को झूठ फैलाकर देश को गुमराह करना बंद करना चाहिए और राष्ट्र से माफी मांगनी चाहिए। गांधी ने आरोप लगाया था कि अमेरिका के 50 प्रतिशत शुल्क ने भारत के कपड़ा क्षेत्र को पंगु बना दिया है। भारत अंतरराष्ट्रीय परिधान मेला (आईआईजीएफ) के मौके पर संवाददाताओं से बात करते हुए सिंह ने कहा, हमने 11 साल में कपड़ा क्षेत्र में पांच करोड़ लोगों को रोजगार देने का काम किया है। यह शटडाउन (तालाबंदी) नहीं है...। राहुल गांधी देश के खिलाफ बोलना बंद करें। आपके दिमाग का शटडाउन हुआ है, इंडस्ट्री का शटडाउन नहीं हुआ है।

यह दावा करते हुए कि अमेरिकी शुल्क कपड़ा निर्यातकों को बुरी तरह नुकसान पहुंचा रहे हैं, गांधी ने शुक्रवार को कहा कि यह अनिवार्य है कि भारत अमेरिका के साथ एक ऐसा व्यापार समझौता करे, जो भारतीय व्यवसायों और श्रमिकों को प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी 'खुद की कमजोरी' का प्रभाव अर्थव्यवस्था पर और अधिक नहीं पड़ने देना चाहिए।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने हरियाणा में एक परिधान फैक्ट्री की अपनी हाल की यात्रा का एक वीडियो एक्स पर साझा किया, जहां उन्होंने कपड़ा सिलनेवालों के कौशल और लोगों के लचीलेपन को देखा।

सिंह ने गांधी के बारे में कहा, उन्हें माफी मांगनी चाहिए और गलत जानकारी नहीं फैलानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि यदि गांधी राष्ट्र से माफी नहीं मांगते हैं, तो उन्हें अपना बयान वापस लेना चाहिए।

मंत्री ने दावा किया कि कपड़ा और परिधान उद्योग बंद नहीं हुए हैं। उन्होंने बताया कि अप्रैल और दिसंबर 2024 के बीच कपड़ा निर्यात 95,000 करोड़ रुपए का था, जो अप्रैल-दिसंबर 2025 के दौरान और बढ़कर 1.02 लाख करोड़ रुपए हो गया। मंत्री ने सवाल किया, कौन सा शटडाउन हुआ है, कौन सा निर्यात गिरा है। आप देश में गलत जानकारी फैला रहे हैं।

सिंह ने कहा कि 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत ने कई व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

आलापी ने मनाई सरस्वती पूजा

बेंगलूरु। यहां 'आलापी' संस्थान द्वारा बेंगलूरु में बसंत पंचमी के अवसर पर सरस्वती पूजा का आयोजन शुक्रवार को किया गया। कार्यक्रम में विद्या और कला की देवी माँ सरस्वती की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में अनुजीत, स्निग्धा, सुमंत, नीता, सौरव, दोयल, अभिनीत, इंद्रजीत, मौमिता, सुष्मिता, पायल और बिशु का विशेष योगदान रहा।

प्रार्थना

श्रीनगर में शुक्रवार को श्रीनगर में हजरतबल दरगाह पर शब-ए-मेराज सेलिब्रेशन के बाद हेड पुजारी पैगंबर मुहम्मद (मोई-ए-मुकद्दस) की पवित्र निशानी दिखाते हुए भक्त प्रार्थना करते हुए।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14 अरब डॉलर बढ़कर 700 अरब डॉलर के पार

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 14.16 अरब डॉलर बढ़कर 701.36 अरब डॉलर पर पहुंच गया।इससे पिछले सप्ताह में कुल मुद्रा भंडार 39.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 687.19 अरब डॉलर हो गया था।मुद्रा भंडार सितंबर 2024 में 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था, लेकिन हाल के दिनों में इस पर दबाव देखा गया। खासकर तब जब रुपए में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को रोकने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग किया गया।

केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार 16 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, जो भंडार का एक प्रमुख हिस्सा हैं, 9.65 अरब डॉलर बढ़कर 560.51 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के रूप में व्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर अमेरिकी मुद्राओं में मूल्य वृद्धि या मूल्यह्रास के प्रभाव शामिल होते हैं।

आरबीआई ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.62 अरब डॉलर बढ़कर 117.45 अरब डॉलर हो गया। शीर्ष बैंक ने बताया कि विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.70 अरब डॉलर रह गए।

शीर्ष बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित स्थिति भी 7.3 करोड़ डॉलर घटकर 4.68 अरब डॉलर रह गई।

दक्षिण भारत में रेल संपर्क को मजबूत करने के लिए मोदी ने तीन अमृत भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की ऑनलाइन माध्यम से हरी झंडी दिखाकर शुरुआत की। ये ट्रेन साप्ताहिक होंगी और केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिणी राज्यों में अंतर-राज्यीय संपर्क को बढ़ावा देंगी। रेल मंत्रालय ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आम यात्रियों के लिए वाणिज्यिक परिचालन और किराए की जानकारी रेलवे द्वारा आने वाले दिनों में अलग से दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि इन तीन रेलगाड़ियों का परिचालन शुरू होने से अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की कुल संख्या बढ़कर 27 हो गई है। दक्षिणी रेलवे के अधिकारियों ने बताया, ''केरल में अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन पहली बार शुरू की जा रही है। तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-तांबरम और तिरुवनंतपुरम नॉर्थ-चर्लपल्ली नामक दो साप्ताहिक ट्रेन राज्य की राजधानी से चलेंगी और केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे दक्षिणी राज्यों के बीच मजबूत रेल संपर्क स्थापित करेंगी। तीसरी ट्रेन, नागरकोइल-मंगलूरु अमृत भारत एक्सप्रेस, तमिलनाडु के दक्षिणी छोर को केरल के रास्ते तटीय कर्नाटक से जोड़ेगी, जिससे पश्चिमी तट के रेल नेटवर्क को मजबूती मिलेगी।'' रेलवे द्वारा जारी परिपत्र के मुताबिक तिरुवनंतपुरम सेंट्रल-तांबरम अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस तिरुनेलवेली, कोविलपट्टी, विरुदुनगर, मदुरै, तिरुचिरापल्ली जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ेगी। तिरुवनंतपुरम उत्तर-चर्लपल्ली अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस कोल्लम, चेंगन्नूर, कोट्टायम, एर्नाकुलम टाउन, त्रिशूर, पलक्कड़, कोयंबटूर, सलेम, जोलारपेट्टई, रेनिगुंटा, नेल्लोर, तेनाली, गुंटूर और नलगोंडा जैसे प्रमुख गंतव्यों से होकर गुजरेगी। नागरकोइल-मंगलूरु अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस तिरुवनंतपुरम सेंट्रल, कोल्लम, चेंगन्नूर, कोट्टायम, एर्नाकुलम टाउन, त्रिशूर, शोरानूर, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड जैसे प्रमुख रेलवे स्टेशन से गुजरेगी। तीन अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन के अलावा, प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवायूर-त्रिशूर सवारी गाड़ी को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है : प्रधानमंत्री मोदी

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में अगले कुछ महीनों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रचार अभियान की शुरुआत करते हुए शुक्रवार को कहा कि राज्य में ''भ्रष्ट'' द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार को विदाई देने का समय आ गया है। उनकी टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु राजग के धोखे को भूला नहीं है।

तमिलनाडु में राजग के चुनाव प्रचार की शुरुआत के लिए चेन्नई के नजदीक मदुरांतकम जाने से पहले प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग के शासन का रिकॉर्ड और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को लेकर उसकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता के दिलों को छू रही है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, तमिलनाडु राजग के साथ है। मैं आज बाद में मदुरांतकम में आयोजित रैली में राजग नेताओं के साथ शामिल होऊंगा। तमिलनाडु ने तय कर लिया है कि भ्रष्ट द्रमुक सरकार को विदाई देने का समय आ गया है। राजग के शासन का रिकॉर्ड और क्षेत्रीय आकांक्षाओं को लेकर उसकी प्रतिबद्धता राज्य की जनता के दिलों को छू रही है।'' प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए स्टालिन ने कहा कि मोदी राज्य का दौरा केवल चुनाव के समय ही करते हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, तमिलनाडु राजग के धोखे को जानता है। प्रधानमंत्री मोदी अक्सर सिर्फ चुनाव के समय ही तमिलनाडु आते हैं...। उन्होंने प्रधानमंत्री से पूछा कि राज्य को 3,458 करोड़ रुपये की समग्र शिक्षा निधि कब मिलेगी, यह कब घोषित किया जाएगा कि परिसीमन में तमिलनाडु की सीटें कम नहीं होंगी, और भाजपा के एजेंट की तरह काम करने वाले राज्यपाल की अराजकता आखिर कब खत्म होगी। स्टालिन ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछा कि तमिल भाषा के प्रचार के लिए केंद्र से तमिलनाडु को अलग से वित्तीय सहायता कब मिलेगी, मनरेगा' को कब बहाल किया जाएगा, मदुरै में एम्स परियोजना कब शुरू होगी और अन्य लंबित परियोजनाओं के लिए राशि कब दी जाएगी।

द्रमुक सरकार की एकमात्र उपलब्धि भ्रष्टाचार और वंशवाद : अन्नाद्रमुक प्रमुख पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरंतकम। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने शुक्रवार को द्रमुक के नेतृत्व वाली सरकार की कड़ी आलोचना की और कहा कि उसकी एकमात्र उपलब्धि तमिलनाडु में ''भ्रष्टाचार'' और ''वंशवादी शासन को कायम रखना'' है। विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की पहली रैली को संबोधित करते हुए 'ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के नेता ने कहा कि अपने बेटे उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाने वाले मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन केवल अपने बेटे को ही मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं। चेन्नई से लगभग 87 किलोमीटर दूर स्थित मदुरंतकम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा करते हुए पलानीस्वामी ने कहा, ''द्रमुक (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) सरकार की साढ़े चार साल की अवधि में एकमात्र उपलब्धि भ्रष्टाचार है... स्टालिन ने अपने बेटे उदयनिधि को उपमुख्यमंत्री बनाया और उन्हें मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं।'' उन्होंने कहा कि राजग एक मजबूत और विजयी गठबंधन है तथा यह द्रमुक को चुनाव में हराएगा। विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''हम विधानसभा की 210 सीट जीतेंगे और द्रमुक को सत्ता से बाहर कर घर भेजेंगे।''

एएमएमके दिल से राजग में शामिल हुई, न कि किसी 'दबाव' के तहत : टीटीवी दिनाकरन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरंतकम। अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के महासचिव टीटीवी दिनाकरन ने शुक्रवार को कहा कि तमिलनाडु में उनकी पार्टी सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सत्ता से हटाने के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में पूरे दिल से शामिल हुई है, न कि किसी दबाव के तहत। दिनाकरन ने कहा कि उनके और राजग के एक अन्य घटक-ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के नेतृत्व के बीच भले ही मतभेद रहे हैं, लेकिन वह नहीं चाहते कि ये मतभेद जन कल्याण या राज्य में द्रमुक शासन को समाप्त करने के प्रयासों में बाधा बनें।

एएमएमके महासचिव ने तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों से पहले राजग की पहली राजनीतिक रैली को संबोधित करते हुए कहा, हम आपसी मतभेदों को भुलाकर पूरे दिल से राजग में शामिल हुए हैं, ताकि अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन द्रमुक को हरा सके और अम्मा (पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता) का शासन स्थापित कर सके। राजग से फिर से जुड़ने के लिए हम पर कोई दबाव नहीं था। चेन्नई से लगभग 87 किलोमीटर दूर मदुरंतकम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ मंच साझा करते हुए दिनाकरन ने कहा कि उनकी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अन्नाद्रमुक के हाथों को मजबूत करने का फैसला किया है, क्योंकि द्रमुक उनकी साझा राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी है।

एएमएमके प्रमुख ने कहा, हम सभी को अम्मा ने ही तैयार किया है। उन्होंने हमें मुद्दों का सटीक ढंग से विरोध करना सिखाया और जब समर्थन देने की बात आती है, तो उन्होंने हमें चट्टान की तरह अडिग रहना सिखाया। उन्होंने अन्नाद्रमुक महासचिव ईके पलानीस्वामी को कई बार एक सम्मानित नेता और बड़े भाई के रूप में संबोधित किया, जो दोनों के बीच सुलह का संकेत था।

पलानीस्वामी के निर्देश पर अन्नाद्रमुक से निष्काषित किए जाने के बाद दिनाकरन ने 2018 में एएमएमके का गठन किया था। इस घटनाक्रम के बाद दोनों नेताओं ने शुक्रवार को राजग की रैली में पहली बार सार्वजनिक मंच साझा किया। भाजपा ने हाल ही में तमिलनाडु में राजग के नेतृत्व के लिए पलानीस्वामी को चुना था और दिनाकरन पर विश्वासघात का प्रतीक होने का आरोप लगाया था, जिसके बाद एएमएमके महासचिव गठबंधन से अलग हो गए थे। हालांकि, वह 21 जनवरी को भाजपा के तमिलनाडु चुनाव प्रभारी पीयूष गोयल की मौजूदगी में राजग में फिर से शामिल हो गए।

हृदय और फेफड़े प्रत्यारोपण मरीजों को दूसरा जीवन देता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अपोलो हॉस्पिटल्स भारत के सबसे व्यापक हृदय, फेफड़े और ईसीएमओ-समर्थित प्रत्यारोपण कार्यक्रमों में से एक के दम पर, उन्नत हृदय और फेफड़े के रोगों के उपचार में राष्ट्रीय स्तर पर नए मानक स्थापित करना जारी रखे हुए है। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक अनुभव रखने वाली प्रत्यारोपण टीम ने 600 से अधिक हृदय और फेफड़े के प्रत्यारोपण किए हैं, 2,000 से अधिक प्रत्यारोपण रोगियों का प्रबंधन किया है, 1,000 से अधिक एक्स्ट्राकॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन (ईसीएमओ) के मामले, 250 से अधिक लेफ्ट वेंट्रिकुलर असिस्ट डिवाइस (एलवीएडी) प्रक्रियाएं और 250 से अधिक क्रॉनिक थ्रोम्बोएम्बोलिक पल्मोनरी हाइपरटेंशन (सीटीईपीएच) हस्तक्षेप किए हैं।

अपोलो में स्थित बहुविषयक हृदय-फेफड़ा प्रत्यारोपण और एमसीएस कार्यक्रम, अंतिम चरण के हृदय और/या फेफड़ों की विफलता से पीड़ित रोगियों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करता है, और उन लोगों के लिए व्यक्तिगत समाधान प्रदान करता है जो अधिकतम चिकित्सा उपचार के बाद भी ठीक नहीं हो पाते। चाहे हृदय और फेफड़ों के प्रत्यारोपण के साथ स्थिरीकरण, संक्रमणकालीन उपचार या निश्चित उपचार हो, या विफल हृदयों के लिए टिकाऊ यांत्रिक कार्डियक पंपों का प्रत्यारोपण, हमारे रोगियों को केंद्रित और साक्ष्य-आधारित देखभाल की निरंतरता के माध्यम से सहायता प्रदान की जाती है।

यह टीम सबसे जटिल कार्डियोपल्मोनरी स्थितियों के लिए भी व्यापक समाधान प्रदान करती है, जैसे कि सीटीईपीएच से पीड़ित उपयुक्त रोगियों के लिए पल्मोनरी एंडार्टेरेक्टोमी (पीईए) का स्वर्ण मानक उपचार, जिसमें फेफड़ों की धमनियों में जमे हुए पुराने रक्त के थक्कों को शल्य चिकित्सा द्वारा हटा दिया जाता है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में विभिन्न आयु वर्ग और बीमारी की गंभीरता के विभिन्न स्तरों वाले मरीज़ शामिल थे, जिन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम ने उनके जीवन को कैसे बदल दिया। इनमें राजा शिवगुरुनाथन (59) शामिल थे, जो आपातकालीन दोहरे फेफड़े के प्रत्यारोपण से पहले 48 दिनों तक ईसीएमओ सपोर्ट पर एक गंभीर चरण से गुज़रे; बी. सरवनन (45), जिन्हें अचानक और गंभीर फेफड़े की विफलता हुई और सफल फेफड़े के प्रत्यारोपण तक दो सप्ताह तक जीवन रक्षक मशीनों पर रखा गया; और राधा श्याम रघुवंशी (72), जिनकी हालत अचानक बिगड़ गई और उन्नत सहायता के बाद दोहरे फेफड़े के प्रत्यारोपण से पहले उन्हें एयरलिफ्ट करके चेन्नई ले जाया गया।

ईसीएमओ और प्रत्यारोपण के बारे में टिप्पणी करते हुए, अपोलो हॉस्पिटल्स चेन्नई के वरिष्ठ सलाहकार और क्लिनिकल लीड - पल्मोनोलॉजी, स्लीप मेडिसिन और लंग ट्रांसप्लांट, डॉ. श्रीनिवास राजगोपाला ने कहा, ये परिणाम दर्शाते हैं कि ईसीएमओ का शीघ्र और उचित उपयोग गंभीर फेफड़ों की विफलता की स्थिति को मौलिक रूप से बदल सकता है।

तमिलनाडु विधानसभा ने प्रस्ताव पारित कर केंद्र से मनरेगा को जारी रखने की अपील की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने शुक्रवार को एक प्रस्ताव पारित कर केंद्र से राज्य की ग्रामीण आबादी की आजीविका की रक्षा के लिए मनरेगा को जारी रखने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस प्रस्ताव को सदन में पेश किया। स्टालिन ने केंद्र द्वारा शुरू की गई नवीनतम ग्रामीण रोजगार योजना 'विकसित भारत - रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) गारंटी' (वीबी-जी राम जी) का जिक्र करते हुए कहा, प्रस्तावित नई योजना ने मनरेगा की जगह ली है।... यह पूरे भारत में ग्रामीण लोगों की आजीविका, राज्यों की वित्तीय संरचना, स्थानीय निकायों की आत्मनिर्भरता और ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों को कमजोर करती है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु में चाहे वह बुनियादी ढांचा परियोजना हो या लोगों की आजीविका को बेहतर बनाने की योजना, सभी पहलों को बिना किसी भेदभाव के कुशलतापूर्वक लागू किया गया। स्टालिन ने सदन में सत्ता पक्ष के सदस्यों द्वारा मेजों को थपथापाने के बीच कहा, केंद्र सरकार की कई परियोजनाओं में तमिलनाडु अव्वल है और विभिन्न मंत्रालयों से लगातार सराहना प्राप्त कर रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र किसी परियोजना की प्रगति के आधार पर धनराशि जारी नहीं कर रहा है और जानबूझकर धनराशि तत्काल जारी करने से बचता है, जो तमिलनाडु के विकास के प्रति सौतेले' रवैये को दर्शाती है।

स्टालिन ने दावा किया कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)के तहत, मजदूरी के लिए 1,026 करोड़ रुपये और सामग्री घटक के लिए 1,087 करोड़ रुपये आज तक जारी नहीं किए गए हैं। उन्होंने सवाल किया, राशि जारी करने में देरी से कौन प्रभावित हो रहा है? तमिलनाडु के ग्रामीण इलाकों में रहने वाले आम लोग और किसान प्रभावित हो रहे हैं। हमारे राज्य के साथ यह भेदभाव क्यों?

तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक)के सांसदों द्वारा वीबी-जी राम जी योजना का शुरुआती चरण में ही कड़ा विरोध किये जाने का उल्लेख करते हुए स्टालिन ने कहा, सभी विपक्षी दलों ने एकजुट होकर आवाज उठाई थी। हालांकि, केंद्र सरकार ने जनता की आवाज को अनसुना करते हुए इसे पारित कर दिया है। यह नई योजना जनता की जरूरतों पर आधारित नहीं है। मैंने इस संबंध में 18 दिसंबर, 2025 को प्रधानमंत्री को पत्र भी लिखा था।

मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि 'वीबी-जी राम जी' के तहत रोजगार काम के अधिकार' के रूप में प्रदान नहीं किया जाता है, बल्कि यह केंद्र द्वारा निर्धारित किए जाने वाले अस्थायी आवंटन पर आधारित होता है।

स्टालिन ने कहा कि महात्मा गांधी का नाम हटाकर उसकी जगह वीबी-जी राम जी का नाम विभिन्न गुप्त उद्देश्यों के साथ रखा गया है। उन्होंने अपील की, ''यह सदन इस बात पर जोर देता है कि महात्मा गांधी के नाम से यह योजना जारी रहनी चाहिए ताकि उनके द्वारा राष्ट्र के लिए निर्धारित सिद्धांतों और मार्ग को हमेशा के लिए याद किया जा सके।''

भाजपा सरकार का 'डबल इंजन' तमिलनाडु में नहीं चलेगा : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के डबल इंजन' वाले बयान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यह तमिलनाडु में नहीं चलेगा। उपनगरीय मदुरंतकम में प्रधानमंत्री द्वारा आज राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एक राजनीतिक रैली में की गई टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए स्टालिन ने मोदी से इस पर विचार करने के लिए कहा कि डबल इंजन' से रहित तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल जैसे राज्य कैसे विकास दर्ज कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले राजग के चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमें तमिलनाडु को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के चंगुल से मुक्त करना होगा।'' मोदी ने राज्य में 'डबल इंजन' वाली सरकार की वकालत की जो तमिलनाडु के विकास और प्रगति के लिए केंद्र के साथ 'कंधे से कंधा मिलाकर' चले।

स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी जिस डबल इंजन' की बात करते हैं, वह तमिलनाडु में नहीं चलेगा... तमिलनाडु ने केंद्र में भाजपा सरकार द्वारा खड़ी की गई सभी बाधाओं को पार करते हुए ऐतिहासिक वृद्धि हासिल की है।'' स्टालिन ने कहा, ''एक पल के लिए इस पर विचार करें... उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और बिहार जैसे 'डबल इंजन' वाले राज्यों के मुकाबले तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल कहीं अधिक विकास दर्ज कर रहे हैं जबकि इन राज्यों में अभी तक डबल इंजन' नहीं पहुंचा है।''

उन्होंने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री ने तमिलों और तमिलनाडु के खिलाफ भाजपा द्वारा किए गए ''विश्वासघात'' को छिपाया हो, लेकिन राज्य की जनता इसे कभी नहीं भूलेगी। मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने पोस्ट में कहा, ''दिल्ली के अहंकार के आगे तमिलनाडु नहीं झुकेगा।''

इंडियन बैंक का तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 7% से अधिक बढ़ा

चेन्नई। इंडियन बैंक द्वारा 31 दिसंबर, 2025 को समाप्त तिमाही-नौ माह के लिए वित्तीय नतीजों की घोषणा की गई परिणामों के अनुसार बैंक का निवल लाभ दिसंबर 2024 में 2852 करोड़ के सापेक्ष दिसंबर 2025 में 7.337 वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि के साथ ₹3061 करोड़ रहा। बैंक का परिचालन लाभ दिसंबर 2024 में 4749 करोड़ के सापेक्ष दिसंबर 2025 में 5.797 वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि के साथ 5024 करोड़ रहा। निवल ब्याज आय दिसंबर 2024 में ₹6415 करोड़ के सापेक्ष दिसंबर 2025 में 7.507 वर्ष दर-वर्ष की वृद्धि के साथ 6896 करोड़ रही। बैंक की शुल्क आधारित आय दिसंबर 2024 में 931 करोड़ के सापेक्ष दिसंबर 2025 में 7.207 वर्ष-दर-वर्ष की वृद्धि के साथ 998 करोड़ रहा। जमा पर लागत दिसंबर 2024 में 5.187 के सापेक्ष दिसंबर 2025 में 25 बीपीएस घटकर 4.937 रहा। दिसंबर 2025 में इक्विटी पर प्रतिलाभ 19.117 रहा। दिसंबर 2025 में आस्तियों पर प्रतिलाभ 1.307 रहा। दिसंबर 25 में अग्रिमों पर प्रतिफल 8.317 रहा। दिसंबर 2025 में निवेश पर प्रतिलाभ 6,957 रहा।

'जन नायकन' सेंसर प्रमाणपत्र विवाद : उच्च न्यायालय 27 जनवरी को फैसला सुनाएगा

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय 27 जनवरी को सीबीएफसी द्वारा दायर अपील पर फैसला सुनाएगा, जिसमें एक एकल न्यायाधीश द्वारा लोकप्रिय अभिनेता विजय अभिनीत तमिल फिल्म ''जना नायकन'' को तत्काल सेंसर प्रमाणपत्र देने के निर्देश को चुनौती दी गयी है। मुख्य न्यायाधीश एम एम श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की पीठ मंगलवार को मामले में अपना फैसला सुनाएगी। दोनों पक्षों की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद, पीठ ने 20 जनवरी को न्यायमूर्ति पी टी आशा द्वारा दिए गए एक आदेश के खिलाफ केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा दायर अपील पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। नौ जनवरी को, मद्रास उच्च न्यायालय की पीठ ने एकल न्यायाधीश के आदेश को स्थगित कर दिया था, जिसमें सीबीएफसी को ''जन नायकन'' को तुरंत प्रमाणपत्र देने का निर्देश दिया गया था।

थिरुप्परनकुंद्रम मंदिर का नियंत्रण एएसआई को देने संबंधी याचिका पर केंद्र, तमिलनाडु सरकार को नोटिस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र, तमिलनाडु सरकार और अन्य से उस याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें एएसआई को थिरुप्परनकुंद्रम मंदिर का नियंत्रण लेने और 'दीपथून' (पत्थर का स्तंभ) के ऊपर रोजाना दीया जलाने के बारे में निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने हिंदू धर्म परिषद की याचिका पर भारत सरकार, तमिलनाडु सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और अन्य को नोटिस जारी किए। सुनवाई के दौरान, शीर्ष अदालत को बताया गया कि मद्रास उच्च न्यायालय ने छह जनवरी को दीया जलाने के एकल न्यायाधीश के आदेश को बरकरार रखा था। शीर्ष अदालत हिंदू धर्म परिषद की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें एएसआई को मदुरै में थिरुप्परनकुंद्रम स्थित भगवान मुरुगन सुब्रमण्यम मंदिर का नियंत्रण लेने और 'दीपथून' के ऊपर हर समय एक दीया जलाने के निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका में यह भी निर्देश देने की मांग की गई है कि हर साल कार्तिगई महीने में कार्तिगई के दिन पूरी पहाड़ी को दीयों से रोशन किया जाए और मुरुगन भक्तों को पूजा करने की इजाज़त दी जाए।

निविदा संदर्भ संख्या.:HIL/UDL/REL/2/2025-26 दिनांक.:21.01.2026

हिल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
स्कोप काम्प्लेक्स, कोर-6, द्वितीय तल, 7 लोधी रोड़
नई दिल्ली - 110003, वेबसाइट - www.hil.gov.in

वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की गयी है - https://hil.abcprocure.com/EPROC

विवरण	ईएमडी रु.
पेंडिमेथालिन प्लांट को उद्योगमंडल इकाई से रसायनी इकाई में डीकंटैमिनेशन, डिसमेंटलिंग, पैकेजिंग, ट्रांसपोर्टेशन और स्थानांतरित के लिए निविदा। इवेंट आईडी क्र.58686, निविदा जमा करने की आखिरी तारीख 02.02.2026, दोपहर 2:00 बजे तक प्री-बिड मीटिंग 27.01.2026, दोपहर 3:00 बजे उद्योगमंडल इकाई, केरल में	रु.5,00,000/-

इच्छुक आवेदन करता हमारी वेबसाइट www.hil.gov.in और सीपीपी पोर्टल से विवरण डाउनलोड कर सकते हैं।
निविदा में कोई भी और बदलाव ऊपर बताई गई वेबसाइटों पर पोस्ट किए जाएंगे।
CBC 02111/11/0005/2526

चित्रकला कार्यशाला का मकसद मतदाताओं को जागरूक कर लोकतंत्र को मजबूत करना है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान एवं राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में चित्रकला कार्यशाला का आयोजन जवाहर कला केन्द्र की चतुर्दिक कला दीर्घा में शुक्रवार को किया गया। इस चित्रकला कार्यशाला का उद्घाटन जयपुर जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चित्रकला कार्यशाला आयोजित करने का मकसद मतदाताओं को जागरूक कर लोकतंत्र को मजबूत करना हैं।

राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट, जयपुर के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार खण्डेलवाल ने बताया कि प्रत्येक राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर यह चित्रकला कार्यशाला राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा महाविद्यालय के सहयोग से प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है।

इस प्रतियोगिता में इस वर्ष राजस्थान स्कूल ऑफ आर्ट तथा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्राफ्ट एंड डिजाइन के 35 विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों ने निर्वाचन विभाग द्वारा दी गयी थीम विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर आधारित चित्र बनाये। इस कार्यशाला के संयोजक श्री पंकज यादव, सहायक आचार्य ने बताया कि सर्वश्रेष्ठ 10 कृतियों को जिला मजिस्ट्रेट महोदय द्वारा पुरस्कृत किया गया।

सभी चित्र दिनांक 25 जनवरी को 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर राजस्थान इन्टरनेशनल सेन्टर, जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदर्शित किये जायेंगे, जिसका उद्घाटन एवं अवलोकन महामहिम राज्यपाल श्रीमान हरिभाऊ बागडे द्वारा किया जायेगा।

इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी की तरफ से नियुक्त नोडल अधिकारी श्रीमती संघमित्रा बरडिया, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, बगरू एवं सहायक नोडल अधिकारी श्री बजरंग लाल स्वामी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, आमेर भी उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

भरतपुर में अग्निवीर का शव झाड़ियों में पड़ा मिला

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में 22 साल के एक 'अग्निवीर' का शव उनके गांव के पास झाड़ियों में मिला। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि वह छुट्टी पर घर लौटे थे। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान पुष्पेंद्र सिंह के रूप में हुई है और वह चिकसाना थानाक्षेत्र के पीपला गांव के रहने वाले थे। 'अग्निवीर' पुष्पेंद्र सियाचिन इलाके में तैनात थे। पुलिस ने बताया कि पुष्पेंद्र ने बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे अपने पिता को फोन कर बताया था कि वह जल्द ही घर पहुंच जाएंगे लेकिन जब वह घर नहीं पहुंचे तो परिवार के सदस्यों व गांव वालों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया और लगभग आधी रात को उनका शव घर से सिर्फ तीन किलोमीटर दूर झाड़ियों में मिला।

पुलिस के मुताबिक, आशंका है कि किसी अज्ञात गाड़ी ने पुष्पेंद्र को टक्कर मारी होगी। पीपला चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम शुक्रवार सुबह मौके पर पहुंची। सिंह ने बताया, युवक की मौत हो चुकी थी। शुरुआती जांच में पता चला कि मौत सड़क हादसे में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फुल ड्रेस रिहर्सल में दिखा बीकानेर की उस्ता कला का प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में इस वर्ष प्रदेश के बीकानेर की विश्वविख्यात उस्ता कला को केन्द्र में रखकर तैयार की गई राजस्थान की झांकी का प्रदर्शन किया जाएगा। शुक्रवार को आयोजित गणतंत्र दिवस परेड की फुल ड्रेस रिहर्सल में राजस्थान ङ्की झांकी ने अपनी विशिष्ट शिल्पकला, सांस्कृतिक वैभव और जीवंत प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। झांकी के डिजाइनर एवं पर्यवेक्षक हर शिव कुमार शर्मा ने बताया कि कर्तव्य पथ पर शुक्रवार को राजस्थान मरुस्थल का स्वर्ण स्पर्श विषयक राजस्थान की झांकी के अग्र भाग में राजस्थान के प्रसिद्ध लोक वाद्य रावणहट्ठा का वादन करते कलाकार की 180 डिग्री घूमती प्रतिमा प्रदर्शित की गई है। इसके दोनों ओर उस्ता कला से सजी सुराही, कुप्पी और दीपक आकर्षक फ्रेमों में लगाए गए हैं। झांकी का यह भाग लगभग 13 फीट ऊँचा है।

उन्होंने बताया कि ट्रेलर भाग में उस्ता कला से अलंकृत घूमती हुई पारंपरिक कुप्पी तथा हस्तशिल्प पर कार्य करते कारीगरों के दृश्य प्रदर्शित किए गए हैं, जो इस कला की जीवंत परंपरा को दर्शाते हैं। पृष्ठभाग में विशाल ऊँट और ऊँट सवार की प्रतिमा राजस्थान की मरुस्थलीय संस्कृति एवं लोक जीवन का सशक्त प्रतीक है। दोनों ओर उस्ता कला से सजे मेहराबों में पत्तेदार स्वर्ण कारीगरी के उत्कृष्ट उदाहरण भी प्रदर्शित किए गए हैं।

शर्मा ने बताया कि झांकी के चारों ओर गैर लोक नृत्य प्रस्तुत करते कलाकारों ने राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान को और अधिक प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया। कुल मिलाकर यह झांकी पारंपरिक कला, लोक संस्कृति और शाही विरासत का सजीव संगम बनकर सामने आई।

राजस्थान ललित कला अकादमी के सचिव डॉ. रजनीश हर्ष ने बताया कि इस झांकी का निर्माण राज्य की उप मुख्यमंत्री एवं पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता तथा उप सचिव अनुराधा गोगिया के मार्गदर्शन में किया गया है।

कांग्रेस ने मनरेगा को बनाया भ्रष्टाचार का एटीएम : बगड़ी

भीलवाड़ा। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने भाजपा जिला कार्यालय पर आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिस कांग्रेस ने दशकों तक देश की संपत्तियों और योजनाओं को केवल 'एक परिवार' के नाम की जागीर समझा, आज उसे 'विकसित भारत' और 'जी राम जी' के नाम से दर्द हो रहा है। यह विधेयक महात्मा गांधी की सोच के अनुरूप और देश के गरीब कल्याण के संकल्प को सिद्ध करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा खड़ा करेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने मनरेगा को 'भ्रष्टाचारियों की एटीएम' बना दिया था, मोदी सरकार ने 11 साल में उसे 'मजदूरों की तिजोरी' बना दिया और अब 'जी राम जी' विधेयक उस पर 'डिजिटल ताला' है।

युवाशक्ति ही विकसित भारत 2047 के विजन को करेगी साकार : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को युवा आवास जोधपुर में केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा आयोजित 'विकसित भारत : अन्नदाता का मान, श्रम-शक्ति का सम्मान' मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का अवलोकन किया। वन्दे मातरम 150 और विकसित भारत 2047 की थीम पर आधारित प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की योजनाओं, कृषि नवाचारों और श्रम सुधारों से आमजन को रुबरु करवाया गया।

पटेल ने कहा बसंत पंचमी केवल एक पर्व नहीं बल्कि ज्ञान, विद्या और नवसृजन का प्रतीक है, जो हमें सकारात्मक सोच और निरंतर प्रगति की दिशा में प्रेरित करता है। उन्होंने पराक्रम दिवस के अवसर पर महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस को नमन करते हुए कहा कि उनका अदम्य साहस, राष्ट्रभक्ति और त्याग आज भी प्रत्येक भारतीय, विशेषकर युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा नेताजी का जीवन हमें सिखाता है कि सशक्त नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से देश की तकदीर बदली जा सकती है।

पटेल ने डॉ कलाम के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सपना वो नहीं है जो आप नींद में देखे, सपने वो है जो आपको नींद ही नहीं आने दे। उन्होंने कहा युवा अपने सपनों को साकार करने के लिए पूरी ऊर्जा और मनोयोग के साथ कार्य करें। पटेल ने कहा युवाशक्ति ही विकसित भारत 2047 के विजन को साकार करेगी। उन्होंने कहा युवा ही भारत का भविष्य हैं, और आज भारत के युवा विज्ञान, तकनीक, खेल, शिक्षा और स्टार्टअप जैसे हर क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर देश का मान बढ़ा रहे है। संसदीय कार्य मंत्री ने कहा योग शरीर, मन और आत्मा का संतुलन बनाकर हमें स्वस्थ और ऊर्जावान बनाता है।

मेरे खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में ओएमआर शीट बदले जाने व प्रश्न पत्र लीक होने के मुद्दे को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बृहस्पतिवार को राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की तरह जनता को भ्रमित करने वाले आरोप नहीं लगा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है।

गहलोत ने इस मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार गंभीर मुद्दों को केवल राजनीति का माध्यम बना रही है। उन्होंने मांग की है कि राज्य सरकार 2024 व 2025 की सभी परीक्षाओं की भी गंभीरता एवं गहराई से जांच करवाए। मुख्यमंत्री शर्मा ने दोपहर में सिरोही में एक कार्यक्रम के दौरान दावा किया, वर्ष 2019 में आयोजित हुए पेपरों की ओएमआर शीट में बदलाव हुए। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री (गहलोत) के घर तक भी जा रही है।

शर्मा ने सवाल किया कि इस मामले में पूर्व मुख्यमंत्री के निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) की भूमिका क्या थी? इसके बाद गहलोत ने रात में 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी, मैंने तो अभी आपके ऊपर कोई आरोप नहीं लगाए हैं। मैं तो मुझे मिले फीडबैक के आधार पर युवाओं के हित में आपसे आग्रह कर रहा हूं। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, मेरे खिलाफ बयानबाजी करने से युवाओं को न्याय नहीं मिलेगा। हम आपकी तरह जनता को भ्रमित करने वाले आरोप नहीं लगा रहे। आपको ठंडे दिमाग से सोचना चाहिए।

कांग्रेस नेता ने मुख्यमंत्री से सवाल किया, आप तो केवल ये बताइए, क्या 2024 और 2025 में ओएमआर शीट बदली गई हैं या नहीं। प्रदेश का युवा जवाब चाहता है क्योंकि लगातार ऊंची कट-ऑफ जाने से इसका संबंध जुड़ रहा है।

गहलोत ने मुख्यमंत्री से कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो कांग्रेस सरकार के दौरान बने कानून से दोषियों को आजीवन कारावास की सजा, 10 करोड़ रुपये का जुर्माना और उनकी संपत्ति जब्त कर तथा इन भर्ती परीक्षाओं के नतीजों में पारदर्शिता लाकर न्याय सुनिश्चित करें। उल्लेखनीय है कि राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने इस प्रकरण में मंगलवार को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के तकनीकी प्रमुख सहित चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया।

कई इलाकों में तेज हवाओं के साथ बारिश

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान की राजधानी जयपुर सहित अनेक इलाकों में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से शुक्रवार को बारिश हुई। मौसम विभाग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में कुछ स्थानों पर वज्रपात तथा तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।

सबसे अधिक 13.0 मिलीमीटर बारिश पुष्कर, अजमेर में दर्ज की गई। इस दौरान राज्य में कहीं-कहीं पर हल्के से मध्यम कोहरा भी दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान जवाई बांध (पाली) में 29.4 डिग्री सेल्सियस व न्यूनतम तापमान जैसलमेर में 6.2 डिग्री सेल्सियस रहा।

मौसम विभाग के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के असर से आज शुक्रवार को भी बीकानेर संभाग, शेखावाटी क्षेत्र, जयपुर, अजमेर, भरतपुर संभाग के कुछ भागों में भी आकाशीय बिजली चमकने के साथ हल्के से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इस दौरान राज्य के पश्चिमी व उत्तरी भागों में कहीं-कहीं ओलावृष्टि हो सकती है। राज्य के उत्तरी व पश्चिमी भागों में एक और नया पश्चिमी विक्षोभ 27-28 जनवरी को सक्रिय होगा।

बाड़मेर में बिजली चोरी की जांच के दौरान अभियंता से हाथापाई, युवक गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में बिजली चोरी के खिलाफ निरीक्षण अभियान के दौरान एक युवक ने सहायक अभियंता से कथित तौर पर हाथापाई की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। थानाधिकारी प्रभु राम ने बताया कि यह घटना सेडवा थाने के लखमीरों की ढाणी में उस समय हुई, जब सहायक अभियंता अशोक कुमार के नेतृत्व में बिजली वितरण कंपनी 'डिस्कॉम' की टीम ने नियमित जांच के दौरान अवैध बिजली कनेक्शन पाया। उन्होंने बताया कि टीम ने पाया कि एक घर में केबल के जरिए अवैध रूप से बिजली की आपूर्ति की जा रही थी।

न्याय दिलाने में अभियोजन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका : बेढ़म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शुक्रवार को सवाई माधोपुर जिले की गंगापुर सिटी में नवनिर्मित अभियोजन भवन का लोकार्पण किया। राज्यमंत्री बेढ़म ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा गरीबों के कल्याण, महिलाओं के उत्थान, किसानों की समृद्धि, युवाओं के सपनों को साकार करने और पीड़ित को सही समय पर न्याय मिले इसके लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को न्याय दिलाने में अभियोजन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में पहले ही दिन से उमंग, चैन, शांति स्थापित करने के लिए प्रयास किए है जिनके परिणाम स्वरूप एक महीने पहले जारी एनसीआरबी 2022-23 की रिपोर्ट की तुलना में विगत दो वर्षो में सभी प्रकार के अपराधों में 14 प्रतिशत से अधिक की कमी आई। वहीं हत्या जैसे गम्भीर मामलों में 50 प्रतिशत तक और एससी/एसटी के अपराधों और दंगों जैसी घटनाओं में 60 प्रतिशत से अधिक की कमी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राजस्थान में अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस को सशक्त बनाया गया। जिससे अपराधियों में भय और आमजन में सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। राज्यमंत्री बेढ़म ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने न्यायिक व्यवस्था हमारी कोर्ट में दाण्डिक सोच के आधार पर बनाए गए कानून में आजादी के 80 वर्ष बाद परिवर्तन करते हुए न्यायिक व्यवस्था पर आधारित कानूनों को देश में लागू किया है। उन्होंने कहा कि अब भारतीय दण्ड संहिता नहीं भारतीय न्याय संहिता होगी।

विवाह के बंधन में बंधेंगे हत्या के जुर्म में सजा काट रहे युवक-युवती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर की खुली जेल में हत्या के जुर्म में उम्रकैद की सजा काट रहे दो कैदी शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। भावी वर और वधु हत्याओं के दो अलग-अलग सनसनीखेज मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। इनमें युवती प्रिया सेठ (34) डेटिंग ऐप पर युवक को फंसाने और बाद में उसका गला घोंटने के मामले में जेल में है। वहीं युवक हनुमान प्रसाद (29) ने अपनी कथित प्रेमिका के साथ मिलकर उसके पति और बच्चों की हत्या कर दी थी। अदालत से सजा मिलने के बाद ये दोनों यहां सांगानेर खुली जेल में रह रहे थे। यहीं उन्हें एक-दूसरे से प्यार हो गया और उन्होंने शादी करने का फैसला किया है। इस हफ्ते की शुरुआत में दोनों कैदियों को 15 दिन की पैरोल दी गई।

उनके वकील विश्राम प्रजापत ने बताया कि सात जनवरी को राजस्थान उच्च न्यायालय ने पैरोल कमेटी को निर्देश दिया था कि इनके आवेदनों पर सात दिन के भीतर पर फैसला करें। इसके बाद इन्हें पैरोल दी गई है। उन्होंने कहा, अदालती आदेश पर कार्रवाई करते हुए पैरोल कमेटी ने उनकी रिहाई को मंजूरी दे दी जिससे दोनों बुधवार को जेल से बाहर आ सके। इन दोनों की शादी हनुमान प्रसाद के पैतृक गांव, अलवर जिले के बड़ौदामेव में होगी।

सूत्रों ने बताया कि पिछले एक साल में खुली जेल में रहने के दौरान हनुमान प्रसाद व प्रिया एक दूसरे के करीब आ गए थे। यह जेल 'राजस्थान प्रिजनर्स ओपन एयर कैंप नियम, 1972' के तहत चलाई जाती है जहां चुने हुए कैदियों को दिन में बाहर काम करने और शाम तक कैंप में लौटने की अनुमति होती है। प्रिया को 2018 में जयपुर में हुई सनसनीखेज हत्या के लिए दोषी ठहराया गया था। इसमें दुष्यंत शर्मा (27) का शव शहर के बाहरी इलाके में एक सूटकेस में मिला था। पुलिस ने बताया कि आरोपी पीड़ित से डेटिंग ऐप के जरिए मिली। उसने उसे बजाज नगर में अपने किराए के फ्लैट में बंधक बनाया, उसकी हत्या कर दी और बाद में शव को ठिकाने लगा दिया। प्रिया को 2023 में उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

वहीं प्रसाद को भी 2023 में दोषी ठहराया गया था। उसे अलवर में 2017 के एक सनसनीखेज हत्याकांड मामले में दोषी पाया गया था। इसमें एक आदमी, उसके तीन बेटों और एक भतीजे की हत्या की गई थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी का महिला संतोष शर्मा से रिश्ता था। आरोप था कि उसने पीड़ितों को नशीली दवा देकर परिवार की हत्या करने की साजिश रची थी।

हालांकि पैरोल देने के फैसले का विरोध हुआ है। दुष्यंत शर्मा मामले में पीड़ित परिवार के वकील संदीप लोहारिया ने कहा कि वह पैरोल के आदेश को चुनौती देंगे। उन्होंने कहा, पैरोल मिलने के बाद भी हमें सूचित नहीं किया गया। हम इस फैसले के खिलाफ अदालत जाएंगे। बहरहाल, यह शादी जिन 'विशेष' हालात में हो रही है उसने लोगों का ध्यान खींचा है। जेल अधिकारियों ने जोर देकर कहा कि प्रक्रिया मौजूदा नियमों के अनुसार ही की गई है। एक अधिकारी ने बताया कि ओपन-एयर कैंप सिस्टम के तहत छह सदस्यों की समिति पैरोल और पुनर्वास के लिए पात्रता का मूल्यांकन करती है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता निदेशक ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर दिलाई मतदाता शपथ

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने शुक्रवार को प्रातः 11:00 बजे 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में विभागीय कार्मिकों को मतदाता शपथ दिलवाई तथा मतदान के प्रति और अधिक जागरूकता लाने की अपील की। अंबेडकर भवन के प्रांगण में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में मोदी ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी थीम, टैगलाइन एवं लोगो का कार्यालय पत्राचार में प्रयोग किए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर वर्ष 25 जनवरी को मनाया जाने वाला मतदाता दिवस हमें हमारे संवैधानिक अधिकार और लोकतांत्रिक जिम्मेदारी की याद दिलाता है। मोदी ने कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य भी है। किसी भी प्रकार के प्रलोभन, भय या दबाव से मुक्त होकर, सत्य और विवेक के आधार पर किया गया मतदान ही सच्चे लोकतंत्र की पहचान है।

बंगाल में बंगाली सुरक्षित नहीं, बदलाव का समय आ गया : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जबलपुर/भाषा। केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में बंगाली समुदाय सुरक्षित नहीं है और राज्य को मौजूदा हालात से 'बचाने' की जरूरत है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता नड्डा ने यहां सिटी बंगाली क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) शासित पश्चिम बंगाल संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने एक पूर्व वक्ता के बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था कि मध्यप्रदेश में बंगाली समुदाय अधिक सुरक्षित है।

नड्डा ने कहा कि यह इस बात को रेखांकित करता है कि पश्चिम बंगाल में ही बंगाली सुरक्षित नहीं हैं, जो विडंबनापूर्ण है। उन्होंने कहा, इसलिए अब समय आ गया है कि बंगाल को संदेश दिया जाए कि वहां बदलाव की जरूरत है। जिस बंगाल ने कभी देश का नेतृत्व किया, वही बंगाल आज परेशानी में है। पूरा देश बंगाल के साथ खड़ा हो और उसे उसकी मुश्किलों से बाहर निकाले। नड्डा ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि देश की एकता व अखंडता के लिए बलिदान देने वाले इन महान नेताओं को स्मरण करते हुए यह भी याद रखना होगा कि बंगाल एक बार फिर नए संकट से गुजर रहा है।

उन्होंने कहा, इस तरह के कुशासन से बंगाल को मुक्त कराना हमारी जिम्मेदारी है। हमें यह संदेश देना होगा। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आज यह संकल्प लें। आने वाले दिनों में (अप्रैल-मई में) आपको इसका अवसर मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों की ओर इशारा कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान बंगाल द्वारा दिए गए नेतृत्व को देश कभी नहीं भूल सकता। उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर, स्वामी विवेकानंद, रामकृष्ण परमहंस और सुभाष चंद्र बोस जैसी विभूतियों का उल्लेख किया।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के एक बयान का हवाला देते हुए नड्डा ने यह भी कहा कि अगर सुभाष चंद्र बोस को लंबा जीवन मिला होता तो आज भारत का नक्शा अलग होता। उन्होंने दावा किया, कांग्रेस के तत्कालीन नेताओं के समझौतावादी रवैये के कारण ही देश का नक्शा बदला।

बिहार को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के कार्यान्वयन में प्रथम स्थान

पटना/भाषा। बिहार को प्रदेश के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय समीक्षा बैठक में यह घोषणा की गई।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बयान में बताया गया कि राज्य में नवंबर 2023 में मुख्यमंत्री डिजिटल स्वास्थ्य योजना के अंतर्गत सभी के लिए बिहार स्वास्थ्य अनुप्रयोग दूरदर्शी योजना (भव्या) नामक एक स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) की शुरुआत की गई थी। बयान के मुताबिक, इस दूरगामी परिकल्पना को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्देश और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के मार्गदर्शन में वर्तमान मुख्य सचिव एवं तत्कालीन स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत द्वारा तैयार किया गया था। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, भव्या प्रणाली को राज्य के सभी 594 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों (जिला अस्पताल से लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक) सफलतापूर्वक लागू किया गया है। विभाग ने बताया कि इस प्रक्रिया में जिला से लेकर प्रखंड स्तर तक निरंतर वास्तविक समय निगरानी सुनिश्चित की गई और इससे सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में एक सुव्यवस्थित व प्रभावी कागज रहित स्वास्थ्य प्रणाली स्थापित हुई।

पंगसौ दर्रा शांति और साझा विरासत का प्रतीकः अरुणाचल के उपमुख्यमंत्री

इटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चौना मीन ने कहा है कि भारत-म्यांमार सीमा पर स्थित पंगसौ दर्रा, जो द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा हुआ करता था, आज शांति, मित्रता और साझा विरासत का एक शक्तिशाली प्रतीक है जिसमें विरासत, रोमांच और पर्यटन केंद्र के रूप में उभरने की अपार क्षमता है।

चांगलांग जिले के नामपोंग में बृहस्पतिवार को 10वें पंगसौ दर्रा अंतरराष्ट्रीय महोत्सव के समापन दिवस को संबोधित करते हुए मीन ने ऐतिहासिक स्टिलवेल (लेडो) सड़क के निर्माण के दौरान किए गए बलिदानों को याद रखने और उन गुमनाम नायकों को सम्मानित करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिन्होंने चरम परिस्थितियों में अपने प्राणों की आहुति दी। शुक्रवार को यहां एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि सड़क के निर्माण में योगदान देने वालों के नामों का पता लगाने और उन्हें दस्तावेजीकृत करने के प्रयास किए जाने चाहिए और स्मृति स्वरूप उन्हें संग्रहालयों में प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

इससे पहले दिन में मीन ने अरुणाचल पूर्व के सांसद तापिर गाओ, विधानसभा अध्यक्ष टेसम पोंगटे, मंत्री दासंगलू पुल, विधायकों, वरिष्ठ अधिकारियों और नगालैंड के फ्लैटफेंडर्स क्लब के सदस्यों के साथ ऐतिहासिक ओल्ड लेडो रोड के माध्यम से नामसाई से पंगसौ दर्रे तक विंटेज विलीज जीप रैली में भाग लिया। रैली को ऐतिहासिक बताते हुए मीन ने ओल्ड लेडो रोड से अपने व्यक्तिगत पारिवारिक संबंध को याद किया।

ओडिशाः बालासोर में मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतरे, कोई हताहत नहीं

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के बालासोर जिले में शुक्रवार को एक मालगाड़ी के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह घटना दक्षिण पूर्व रेलवे के भद्रक-खड़गपुर खंड पर स्थित रुप्सा स्टेशन पर सुबह करीब 10 बजे हुई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि मालगाड़ी सीमेंट और उर्वरक उतारने के बाद रुप्सा स्टेशन से खड़गपुर की ओर रवाना हुई और इसी दौरान उसके तीन डिब्बे पटरी से उतर गए। इससे बालासोर जिले में जलेश्वर के पास स्थित इस रुप्सा स्टेशन से गुजरने वाली रेल सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि, मरम्मत कार्य के बाद रेल सेवा फिर से बहाल कर दी गई और उतरे डिब्बों को वापस पटरी पर लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है।

2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा साजिश करेगी : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कहा कि 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव लोकतंत्र के लिए अग्नि परीक्षा है और भाजपा इसके लिए साजिश रचेगी। यादव से शुक्रवार को प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये उलेमाओं व प्रमुख लोगों ने मुलाकात की और विभिन्न मुद्दों पर वार्ता की।

पार्टी द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव होना है और ये लोकतंत्र के लिए अग्नि परीक्षा है। उन्होंने कहा कि भाजपा विधानसभा चुनाव में साजिश रचेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के शासन में जनता के प्रति कोई ईमानदारी नहीं है, भाजपा सरकार पिछड़ा, दलित मुसलमान समुदाय को अपमानित और उनसे नफरत करती है। उन्होंने कहा कि यही पीडीए भाजपा को परास्त करेगा।

अखिलेश ने कहा कि इस सरकार का अहंकार चरम पर है और बस समय आ गया है कि अहंकारियों का अस्तित्व नहीं बचेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है, महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से आम जनता त्रस्त है, चारो तरफ अराजकता है और इस नुकसान की भरपाई में बरसों लग जाएंगे।

सपा प्रमुख ने आह्वान किया कि बुरे लोगों को हटाने के लिए अच्छे लोग एक साथ आ जाएं और नकारात्मक लोगों को हटाने के लिए सकारात्मक लोग एकजुट हो जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में अर्थव्यवस्था चौपट हो गई है, गरीब और गरीब होता जा रहा है, संपत्ति का केंद्रीयकरण हो गया है, कुछ पूंजी घरानों की संपत्ति में बेतहाशा वृद्धि हुई है जबकि आम जनता की आय नहीं बढ़ रही है।

अयोध्या के राम मंदिर की तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत भोजशाला में वाग्देवी का मंदिर बनाएंगे : विहिप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धार (मध्यप्रदेश)/भाषा। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने शुक्रवार को इस संकल्प की घोषणा की कि अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर भव्य मंदिर के निर्माण की तर्ज पर कानूनी प्रक्रिया के जरिये धार के भोजशाला परिसर में वर्ष 2034 तक वाग्देवी (देवी सरस्वती) मंदिर का बनाया जाएगा।

भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष 11वीं सदी के इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है और इस स्थल को लेकर अदालत में मुकदमा लंबित है। कुमार ने वसंत पंचमी पर भोजशाला में वाग्देवी के दर्शन से पहले एक बड़ी सभा में कहा कि इस स्थान पर वाग्देवी की पहले से प्राण-प्रतिष्ठित मूर्ति फिलहाल लंदन के एक संग्रहालय में है। उन्होंने कहा, ''हमें इस मूर्ति को भारत वापस लाना है। हमें अदालत में लंबित मुकदमा जीतकर इस मंदिर का स्वरूप सरस्वती मां की प्रतिष्ठा के अनुरूप बहाल करना है।'' विहिप नेता ने दावा किया कि भोजशाला में वाग्देवी का मंदिर 1034 में बना था, लिहाजा इस निर्माण और इसमें वाग्देवी की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा को 992 साल पूरे हो गए हैं और 2034 में 1,000 साल पूरे जाएंगे। उन्होंने कहा, ''क्या हम और आप संकल्प करें कि हम न्यायालय की प्रक्रिया पूरी करेंगे, वाग्देवी की मूर्ति वहां (लंदन) से वापस लाएंगे और जैसे अयोध्या में राम मंदिर बना है, 2034 में वैसी ही भव्यता से यहां (भोजशाला) वाग्देवी की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा करेंगे।''

नेताजी ने यह सुनिश्चित किया कि हम भारत का हिस्सा बने रहें : बोस की जयंती पर हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विभाजन के दौरान असम को भारत का हिस्सा बनाए रखने में उनके योगदान को याद किया।

उन्होंने कहा कि बोस के प्रयासों ने मुहम्मद सादुल्लाह के, असम का पूर्वी पाकिस्तान में विलय करने के नापाक इरादों को विफल कर दिया।

शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा, नेताजी ने राज्य का दौरा करके और गोपीनाथ बरदोलोई के नेतृत्व में सभी नेताओं को सरकार बनाने के लिए इकट्ठा करके, असम को पूर्वी पाकिस्तान में विलय करने के सादुल्लाह के नापाक इरादों को विफल कर दिया तथा यह सुनिश्चित किया कि हम भारत का हिस्सा बने रहें।

राहुल गांधी का 'वीबी ग्राम जी' कहना भगवान राम के प्रति कांग्रेस की -घृणा' को दर्शाता है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी ने राहुल गांधी के वीबी-जी राम जी अधिनियम को वीबी ग्राम जी कहने पर शुक्रवार को उनकी कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि यह भगवान राम के प्रति कांग्रेस की घृणा, अवमानना और उपेक्षा व तमिलनाडु सरकार द्वारा सनातन धर्म को समाप्त करने के संकल्प के प्रति उसकी हठधर्मिता को दर्शाता है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि भगवान राम की इस तरह अवहेलना करने वाली कांग्रेस को महात्मा गांधी की विरासत पर दावा करने का भी कोई अधिकार नहीं है, जिनका अंतिम शब्द राम था।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें याद करते हुए भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने कांग्रेस पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि पार्टी व उसके नेताओं (जिनमें जवाहरलाल नेहरू भी शामिल हैं) ने उनके योगदान और विरासत को मिटाने के कई प्रयास किए। भाजपा ने राहुल गांधी पर निशाना तब साधा है जब कांग्रेस नेता ने निरस्त किए जा चुके महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) पर यहां आयोजित एक कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें नए कानून का नाम याद नहीं आ रहा है। उन्होंने सोचते हुए कहा कि क्या उसका नाम वीबी ग्राम जी है और फिर दर्शकों से पूछा कि उसका नाम क्या है? इसपर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए त्रिवेदी ने कहा, यह भगवान राम के प्रति कांग्रेस पार्टी की घृणा, अवमानना और उपेक्षा तथा तमिलनाडु सरकार द्वारा सनातन धर्म के उन्मूलन के प्रति ली गई प्रतिज्ञा पर उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

प. बंगाल में एसआईआर संबंधी तनाव के कारण रोजाना तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को दावा किया कि राज्य में जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद को लेकर फैली चिंता के कारण हर दिन तीन से चार लोग आत्महत्या कर रहे हैं।

सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में कोलकाता में रेड रोड पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि निर्वाचन आयोग और केंद्र सरकार को इन मौतों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''अब तक 110 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। प्रतिदिन तीन से चार लोग एसआईआर की वजह से अत्यधिक चिंता के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। अस्पतालों में 40 से 45 और लोग जिंदगी-मौत से जूझ रहे हैं। इतने साल बाद क्या हमें यह साबित करना होगा कि हम इस देश के नागरिक हैं?''

आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में मतदाता सूची की एसआईआर कवायद जारी है।

बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर पश्चिम बंगाल के खिलाफ साजिश रचने का भी आरोप लगाया और कहा कि महात्मा गांधी, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाषचंद्र बोस और बी आर अंबेडकर जैसी महान हस्तियों का अपमान किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, ''हम देख रहे हैं कि भारत के इतिहास को विकृत करने के प्रयास किए जा रहे हैं... अपमान, असहिष्णुता, उस इतिहास के प्रति कृतघ्नता जताई जा रही है तथा भाषा का अपमान किया जा रहा है; ये सब आज हमारे सामने है।''

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर ''सुभाष चंद्र बोस द्वारा परिकल्पित'' योजना आयोग को समाप्त करने और उसके स्थान पर नीति आयोग की स्थापना करने का आरोप लगाया।

बनर्जी ने यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बोस की जयंती पर अब तक राष्ट्रीय अवकाश घोषित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रतिष्ठित व्यक्तियों के सपने ''तार-तार'' किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवा ब्रिगेड द्वारा गढ़ा गया इतिहास संस्करण लोगों पर थोपा जा रहा है। बनर्जी ने कहा, ''इसका देश के इतिहास से कोई संबंध नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''लोगों के अधिकार छीने जा रहे हैं और लोकतंत्र को कुचला जा रहा है।'' मुख्यमंत्री ने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा कि अगर बोस जीवित होते तो क्या उन्हें तार्किक विसंगति के नाम पर एसआईआर सुनवाई के लिए बुलाया जाता और ''उनकी भारतीय नागरिकता के बारे में पूछताछ की जाती''। उन्होंने दावा किया कि तार्किक विसंगति को लेकर निर्वाचन आयोग ने एसआईआर सुनवाई के लिए 1.38 करोड़ लोगों को तलब किया है और मसौदा मतदाता सूची से पहले ही 58 लाख नाम हटाए जा चुके हैं। ख्यमंत्री ने जोर देकर कहा, ''कुल संख्या दो करोड़ है।''

बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा के शीर्ष नेता चुनाव से पहले अपने भाषणों के दौरान बांग्ला भाषा में कुछ शब्द बोलने के लिए 'टेलीप्रॉम्प्टर' का इस्तेमाल करते हैं और ऐसा करके ''बंगाल के बुद्धिजीवियों का अपमान करते हैं''। उन्होंने उल्लेख किया कि बांग्ला भाषी लोग अपने उपनामों की वर्तनी अलग-अलग तरीकों से लिखते हैं।

शाहजहांपुर में युवती से शादी के नाम पर 15 लाख रुपए की ठगी

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। शाहजहांपुर जिले में एक युवती से कनाडा में रहने वाले व्यक्ति ने शादी के नाम पर 15 लाख रुपए से भी अधिक की ठगी की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) राजेश द्विवेदी ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि शाहजहांपुर की रहने वाली युवती को एक वैवाहिक विज्ञापन वेबसाइट से विशाल अग्रवाल नामक व्यक्ति का अनुरोध मिला, जिसे युवती ने स्वीकार कर लिया। उन्होंने बताया कि बाद में दोनों के बीच बातचीत होने लगी और विशाल ने युवती को बताया कि वह कनाडा में रहता है और कारोबारी है। उसने बताया कि वह अपना कारोबार समेट कर फरवरी महीने में दिल्ली में ही स्थाई रूप से रहेगा और इसके बाद दोनों शादी कर लेंगे।

एसपी ने दर्ज कराई गई प्राथमिकी के हवाले से बताया कि इसके बाद आरोपी ने शादी तय होने पर उपहार में एक अंगूठी, सोने का हार तथा एक आई फोन भेजने के लिए युवती का पता मांगा। युवती के पता भेजने के बाद 11 दिसंबर को एक व्यक्ति ने फोन करके बताया कि उसका पार्सल आया है तब उससे 26 हजार रुपए मांगे गए। इस तरह से विभिन्न तरीकों से कभी सोना भेजने, कभी प्रमाणपत्र के नाम पर उससे 15 लाख रुपए से ऊपर की ठगी की गई।

द्विवेदी ने बताया की युवती ने आरोप लगाया है कि अब विशाल से उसकी बात नहीं हो रही है और उसे महसूस हुआ कि शादी के नाम पर उससे ठगी की गई है।

ओडिशा में नेताजी सुभाष चंद्र बोस और सुरेंद्र साय की जयंती मनाई गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के विभिन्न हिस्सों में शुक्रवार को स्वतंत्रता सेनानियों सुभाष चंद्र बोस और सुरेंद्र साय की जयंती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए गए। राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति, मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक समेत विभिन्न नेताओं ने इन स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 1897 में कटक में हुआ था, जबकि सुरेंद्र साय का जन्म 1809 में संबलपुर के खिंडा गांव में हुआ था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैं स्वतंत्रता सेनानी वीर सुरेंद्र साय को उनकी जयंती के अवसर पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं। वर्ष 1857 के महासंग्राम को कई दिनों तक जारी रखकर उन्होंने अपने अदम्य साहस, वीरता और पराक्रम का परिचय दिया था। उनका त्याग और बलिदान देशवासियों को हमेशा याद रहेगा।''

मुख्यमंत्री माझी ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और राज्यपाल के साथ कटक में पराक्रम दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

माझी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कटक की इस पवित्र भूमि में जन्मे नेताजी का अदम्य साहस, देशभक्ति और 'जय हिंद' का मंत्र हर भारतीय के हृदय में राष्ट्र सेवा का उत्साह भरता रहता है। समृद्ध और विकसित ओडिशा के निर्माण के लिए उनके आदर्श हमारे लिए सदा प्रेरणा का स्रोत बने रहेंगे।'' समाज के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोग नेताजी सुभाष चंद्र बोस को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए कटक स्थित नेताजी संग्रहालय में उमड़ पड़े।

इस दिन को मनाने के लिए राजनीतिक दलों ने भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए।

संबलपुर जिला प्रशासन ने जेल चौक पर साय की जयंती मनाने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

साय के जन्मस्थल खिंडा गांव में एक 'तिरंगा पदयात्रा' का आयोजन किया गया।

रोहित ने आईसीसी के लंबे समय तक के खिताबी सूखे पर कहा- असफलता का डर हम सभी में घर कर गया होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टी20 विश्व कप विजेता और पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि 2011 से 2024 तक भारत के आईसीसी प्रतियोगिताओं में खिताबी सूखे का एक कारण देश के शीर्ष बल्लेबाजों में असफलता का डर हो सकता है।

भारतीय टीम ने 2011 में महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में वनडे विश्व कप जीता था। टीम को अगले बड़े ट्रॉफी की प्रतीक्षा 2024 तक करनी पड़ी, जब रोहित की कप्तानी में टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। रोहित ने 'जियोहॉटस्टार' के कार्यक्रम में कहा, मैं हमेशा मानता रहा हूं कि जब परिस्थितियां खराब चल रही हों, वह हमेशा के लिए खराब नहीं रहेंगी और एक दिन सुधार अवश्य आएगा। लेकिन मैंने कभी नहीं सोचा था कि इसमें 13 साल लग जाएंगे। मैं नहीं सोचता था कि इतना समय लगेगा। पिछले विश्व कप की जीत 2011 में थी और फिर हमने 2024 में जीता। यह 13 साल का अंतराल है। हां, 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी, इसलिए तकनीकी रूप से यह 11 साल का आईसीसी ट्रॉफी सूखा था। लेकिन 11 साल भी काफी लंबा समय है। उन्होंने कहा, हम हमेशा मानते थे कि हमें सही काम करना है और हम सही काम करते रहे। लेकिन कुछ कमी थी। कुछ ऐसा था जो हम नहीं कर पा रहे थे। मुझे लगता है कि इसमें शायद असफलता का डर हम सभी में घर कर गया था, हो सकता है, या नहीं, मुझे नहीं पता, लेकिन मेरी भावना यही थी। रोहित अब सिर्फ वनडे प्रारूप में खेलते है। उन्होंने कहा कि उनकी और पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ की टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों को डर से मुक्त करने के लिए उन्हें स्वतंत्रता और भूमिका की स्पष्टता दी।

बिहार में गंगा सहित सात घोषित राष्ट्रीय जलमार्गों का होगा विकास : श्रवण कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राज्य में गंगा सहित सात घोषित राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस योजना से जहां एक ओर अंतरदेशीय व्यापार को बल मिलेगा और नए रोजगार सृजित होंगे, वहीं दूसरी ओर पुलों पर भीड़ कम होगी, सड़कें क्षतिग्रस्त नहीं होंगी तथा प्रदूषण भी घटेगा।

परिवहन मंत्री शुक्रवार को कोच्चि में अंतरदेशीय जलमार्ग विकास परिषद (आईडब्ल्यूडीसी) की तीसरी बैठक में बिहार की जलमार्ग क्षमताओं और भविष्य की संभावनाओं पर राज्य का पक्ष रख रहे थे। उन्होंने बताया कि राज्य के सोनपुर के कालुघाट पर विकसित 'मल्टीमॉडल टर्मिनल' प्रतिवर्ष 77 हजार कंटेनरों के आवाजाही की क्षमता रखता है, यहां दो मालवाहक जहाज एक साथ ठहर सकते हैं। मंत्री ने कहा कि कंटेनरों को सुरक्षित रखने, वजन मापने और जल-रेल-सड़क को जोड़ने की सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे माल ढुलाई का समय और लागत दोनों कम हो जाती हैं। उन्होंने कहा कि कालुघाट में लॉजिस्टिक पार्क की बुनियादी संरचना निर्माणाधीन है, जिससे सुरक्षित भंडारण की सुविधा भी जल्द शुरू होगी। कुमार ने कहा कि राज्य सरकार सागरमाला योजना के तहत अंतरदेशीय जलमार्गों को बढ़ावा दे रही है।

सुविचार

जब तक आप किनारे को नहीं छोड़ोगे तब तक आप समुंदर को पार नहीं कर सकोगे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्क्रीन में कैद न रह जाए बचपन

आंध्र प्रदेश सरकार ने किशोरों के सोशल मीडिया इस्तेमाल को रोकने संबंधी उपायों पर विचार के लिए समिति गठित कर बच्चों के भविष्य के लिए बहुत जरूरी फैसला लिया है। आज कई बच्चे मोबाइल फोन में अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। वे न तो खेलकूद में दिलचस्पी लेते हैं और न ही पढ़ाई करना उन्हें अच्छा लगता है। उन्हें बस एक मोबाइल फोन चाहिए, जिसमें इंटरनेट चलता हो। बाकी काम वे खुद कर लेंगे। जो बच्चे प्रकृति के साथ समय बिताते हैं, खेलकूद में भाग लेते हैं, दोस्त बनाते हैं, उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है। साथ ही, बचपन खुशहाल होने की संभावना ज्यादा होती है। वहीं, मोबाइल फोन के साथ व्यस्त रहने वाले बच्चों का बचपन स्क्रीन तक सीमित रह जाएगा। उनके पास बचपन की कौनसी मधुर यादें रहेंगी? हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए, जब किसी बच्चे को माता-पिता ने मोबाइल फोन बंद करने के लिए कहा तो उसने अभद्रता की। कुछ बच्चे तो इतने बेकाबू हो जाते हैं कि घर में तोड़फोड़ करने लगते हैं। सोशल मीडिया पर एक मामला बहुत सुर्खियों में रहा था। एक बच्चे से कहा गया कि उसे मोबाइल फोन के बजाय पढ़ाई में ध्यान लगाना चाहिए, तो उसने टीवी, लैंप, बर्तन समेत कई चीजें तोड़ दी थीं। कई बच्चों के पास एक बहाना और होता है। जब उनसे कहा जाता है- 'आपने मोबाइल फोन बहुत चला लिया', तो उनका जवाब होता है- 'बस, दो मिनट और!' ये दो मिनट कब दो घंटों में बदल जाते हैं, पता ही नहीं चलता। इस वजह से बच्चों की पढ़ाई चौपट हो रही है, चश्मे के नंबर बढ़ रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने भी बच्चों के लिए सोशल मीडिया का उपयोग प्रतिबंधित करने के संबंध में सख्त कदम उठाए हैं। कोई भी सोशल मीडिया कंपनी नहीं चाहेगी कि उसके सदस्यों के विस्तार को रोका जाए। वह जानती है कि जिस बच्चे को उसकी लत लग जाएगी, वह भविष्य में उसका 'पक्का ग्राहक' बना रहेगा। ऐसे में सरकारों और माता-पिता को ही बच्चों की भलाई के लिए फैसला लेना होगा। कुछ सोशल मीडिया मंच यूजर की उम्र पूछते हैं। हालांकि उनके पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं होती, जिससे वे जन्मतिथि की जांच कर सकें। एक सुझाव यह दिया जा रहा है कि सोशल मीडिया मंच यूजर से आयु प्रमाणपत्र लेने के बाद ही उसे अकाउंट चलाने की अनुमति दें। इस सुझाव को लागू करने में कई समस्याएं हैं। अगर कोई यूजर अपना आयु प्रमाणपत्र अपलोड कर दे तो उसके डेटा की सुरक्षा की क्या गारंटी है? अक्सर खबरें आती हैं कि फलां वेबसाइट के यूजर्स का डेटा लीक हो गया। अगर प्रमाणपत्र हैकरों और साइबर अपराधियों के हाथ लग गए तो क्या होगा? अब एआई का जमाना है। अगर किसी ने उसका इस्तेमाल कर गलत प्रमाणपत्र अपलोड कर दिया तो सोशल मीडिया कंपनी उसकी जांच कैसे करेगी? जो लोग चेहरे और आवाज का इस्तेमाल कर नकली वीडियो बना सकते हैं, उनके लिए नकली प्रमाणपत्र बनाना कौनसी बड़ी बात है? एक तरीका यह हो सकता है कि पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय बच्चों को सोशल मीडिया का सीमित इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए। इसके लिए माता-पिता की सहमति अनिवार्य हो। बच्चों के अकाउंट से सिर्फ उस सामग्री तक पहुंच मिलनी चाहिए, जो उनके लिए लाभदायक हो। एक दिन में आधा या एक घंटे से ज्यादा अकाउंट चलाने की अनुमति न हो। यह अवधि पूरी होते ही अकाउंट से अपनेआप लॉग आउट कर दिया जाए। जो बच्चा उसी दिन दोबारा लॉग इन करे तो उसे तीन दिन के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाए। अगर फिर भी लॉग इन करे तो सात दिन के लिए प्रतिबंधित कर दिया जाए। इन उपायों से बच्चे अनुशासित होंगे। उन्हें सोशल मीडिया की लत नहीं लगेगी। उनका बचपन भी खुशहाल होगा।

जो लोग चेहरे और आवाज का इस्तेमाल कर नकली वीडियो बना सकते हैं, उनके लिए नकली प्रमाणपत्र बनाना कौनसी बड़ी बात है? एक तरीका यह हो सकता है कि पूर्ण प्रतिबंध लगाने के बजाय बच्चों को सोशल मीडिया का सीमित इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाए।

ट्वीटर टॉक

प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर पर रोजगार की उपलब्धता और उनके कौशल विकास हेतु हमारी सरकार संकल्पित है। इसी दिशा में आज बसंत पंचमी और पराक्रम दिवस के पावन अवसर पर जयपुर में 'विदेशी भाषा संचार कौशल स्कूल' की स्थापना की घोषणा की।

-भजनलाल शर्मा

इस पुण्य अवसर पर पूज्य आचार्य प्रवर का आशीर्वाद ग्रहण कर और उनके आध्यात्मिक अनुष्ठानों और प्रेरणादायी वचनों का श्रवण कर आत्मिक ऊर्जा में वृद्धि हुई। आचार्यश्री के पावन सान्निध्य में संवाद का अवसर भी मिला, जो अत्यंत प्रेरक रहा।

-गजेन्द्रसिंह शेखावत

आज विद्याधर नगर विधानसभा के मुरलीपुरा स्थित शहीद योगेश अग्रवाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल, शिक्षा गुणवत्ता एवं अभिभावक सहभागिता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित मेगा पीटीएम में शिरकत की।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

गुरुता की पराकाष्ठा

एक बार दो पंडित दादू जी का सत्संग सुनने और उन्हें गुरु बनाने की इच्छा से उनके पास पहुंचे। जब वे उनकी कुटिया के पास पहुंचे, तो रास्ते में एक आदमी नंगे सिर बाहर जा रहा था। पंडितों ने इसे अपशकुन समझा और अपशकुन टालने के लिए उस आदमी को दोनों हाथों से थप्पड़ मार दिए। फिर उन्होंने पूछा, 'दादू साहिब का डेरा कहां है?' आदमी ने अंगुली से इशारा करते हुए कहा, 'वह रहा।' जब वे डेरे में पहुंचे, तो पता चला कि दादू साहिब बाहर गए हुए थे। पंडितों ने इंतजार किया। जब दादू जी लौटे, तो पंडितों ने देखा कि ये तो वही आदमी है, जिसे उन्होंने थप्पड़ मारे थे। यह देखकर दोनों थर-थर कांपने लगे, लेकिन दादू साहिब हंसते हुए बोले, 'लोग दो टके की माटी की हंडिया लेने से पहले उसे टक्कर मारकर देखते हैं, तुम गुरु धारण करने आए हो, तो खूब छककर टकोरो। जब दिल माने, तभी गुरु स्वीकार करो।'

सामयिक

राष्ट्रीय बालिका दिवस : सशक्त बेटियाँ, समृद्ध राष्ट्र

महेन्द्र तिवारी

मोबाइल : 9989703240

किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपनी आधी आबादी-स्त्रियों और बालिकाओं-को कितना सम्मान, सुरक्षा और अवसर प्रदान करता है। भारत, जो स्वयं को विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं में गिनता है, इस कसौटी पर आज भी पूरी तरह खरा नहीं उतर पाया है। एक ओर हमारे शास्त्रों में नारी को 'शक्ति', 'जननी' और 'सृजन की आधारशिला' कहा गया है, तो दूसरी ओर सामाजिक यथार्थ में कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, दहेज प्रथा, शिक्षा से वंचन और असुरक्षा जैसी समस्याएँ आज भी हमारे सामने खड़ी हैं। ऐसे समय में राष्ट्रीय बालिका दिवस केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक विवेक को झकझोरने का अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि कन्याओं का उत्थान केवल एक वर्ग विशेष का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र के भविष्य से जुड़ा प्रश्न है।

राष्ट्रीय बालिका दिवस की शुरुआत वर्ष 2008 में हुई, जब यह महसूस किया गया कि बालिकाओं से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित एक विशेष दिन की आवश्यकता है। इसका उद्देश्य स्पष्ट था-बालिकाओं के प्रति समाज में जागरूकता फैलाना, उनके अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य तथा समान अवसर उपलब्ध कराना। यह दिवस हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम वास्तव में उस भारत का निर्माण कर पा रहे हैं, जहाँ बेटी का जन्म उत्सव का कारण बने, बोझ का नहीं। दुर्भाग्यवश, आज भी देश के कई हिस्सों में बेटी का जन्म चुप्पी और चिंता के साथ स्वीकार किया जाता है, जबकि बेटे के जन्म पर उत्सव मनाया जाता है। यह मानसिकता ही समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है।

आँकड़े इस सच्चाई को और स्पष्ट करते हैं। हाल के वर्षों में लिंगानुपात में कुछ सुधार अवश्य हुआ है, लेकिन यह सुधार असमान और असंतुलित है। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। कन्या भ्रूण हत्या और लिंग चयन जैसी अमानवीय प्रथाएँ कानून के बावजूद पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भी तस्वीर उत्साहजनक नहीं है। प्राथमिक स्तर पर नामांकन बढ़ा है, लेकिन किशोरावस्था तक पहुँचते-पहुँचते बड़ी संख्या में लड़कियाँ स्कूल छोड़ देती हैं। गरीबी, घरेलू काम का बोझ, असुरक्षित परिवेश, परिवहन की कमी और सामाजिक दबाव इसके प्रमुख कारण हैं। यह स्थिति केवल बालिकाओं की व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि देश की मानव संसाधन क्षमता पर सीधा आघात है।

आज जब भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित करने की बात करता है, तब यह अनिवार्य हो जाता है कि हम अपने सामाजिक आधार को भी उतना ही मजबूत करें। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक उपलब्धियाँ तब तक अधूरी हैं, जब तक समाज के सबसे कमजोर वर्ग-बालिकाएँ-सुरक्षित और सम्मानित नहीं हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें इसी अधूरेपन का एहसास कराता है।

स्वास्थ्य के मोर्चे पर भी बालिकाओं की स्थिति चिंताजनक है। कुपोषण, एनीमिया और कम उम्र में विवाह व मातृत्व उनके शारीरिक और मानसिक विकास को बाधित करते हैं। एक कमजोर और अस्वस्थ बालिका आगे चलकर स्वस्थ समाज की नींव नहीं रख सकती। इसके साथ ही, सुरक्षा का प्रश्न लगातार गंभीर होता जा रहा है। यौन हिंसा, घरेलू उत्पीड़न और अब साइबर अपराधों ने बालिकाओं के सामने नई चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। यह विडंबना ही है कि जिस समाज में नारी को देवी कहा जाता है, उसी समाज में वह सबसे अधिक असुरक्षित भी है।

सरकारों ने समय-समय पर बालिकाओं के उत्थान के लिए कई योजनाएँ और कार्यक्रम शुरू किए हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसी पहल ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में लाने का काम किया है। शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य और कौशल विकास से जुड़ी योजनाओं ने कई बालिकाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव भी लाया है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, छात्रवृत्तियाँ, मुफ्त साइकिल और पोषण अभियान जैसे प्रयासों ने यह साबित किया है कि यदि नीति और नीयत सही हो, तो बदलाव संभव है। फिर भी, यह स्वीकार करना होगा कि योजनाओं की सफलता उनके क्रियान्वयन पर निर्भर करती है, और यही वह क्षेत्र है जहाँ अभी भी गंभीर सुधार की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार, जागरूकता की कमी और सामाजिक उदासीनता कई अच्छी योजनाओं को कागज़ों तक सीमित कर देती हैं।

हालाँकि यह समझना भी उतना ही आवश्यक है कि बालिकाओं का उत्थान केवल सरकारी योजनाओं से संभव नहीं है। समाज और परिवार की भूमिका इसमें कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। जब तक माता-पिता बेटे और बेटी में भेद करना नहीं छोड़ेंगे, जब तक बेटी की शिक्षा को जरूरत' नहीं बल्कि अनावश्यक खर्च' समझा जाएगा, तब तक कोई भी नीति पूरी तरह सफल नहीं हो सकती। परिवार ही वह पहली पाठशाला है जहाँ समानता, सम्मान और आत्मविश्वास के बीज बोए जाते हैं। यदि वही पाठशाला भेदभाव सिखाएगी, तो समाज से बदलाव की उम्मीद करना व्यर्थ होगा।

शिक्षा बालिकाओं के सशक्तिकरण की सबसे मजबूत आधारशिला है। शिक्षित बालिका न केवल अपने अधिकारों को पहचानती है, बल्कि समाज में अपनी भूमिका को भी आत्मविश्वास के साथ निभाती है। वह आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनती है, निर्णय लेने में सक्षम होती है और अगली पीढ़ी को भी बेहतर दिशा देती है। यही कारण है कि बालिकाओं की शिक्षा में निवेश करना दरअसल राष्ट्र के भविष्य में निवेश करना है। आज आवश्यकता है कि शिक्षा को केवल डिग्री तक सीमित न रखा जाए, बल्कि जीवन कौशल, तकनीकी प्रशिक्षण और आत्मरक्षा जैसे पहलुओं को भी इसमें शामिल किया जाए।

राष्ट्रीय बालिका दिवस का महत्व इसी व्यापक दृष्टि में निहित है। यह दिन हमें केवल समस्याएँ गिनाने का अवसर नहीं देता, बल्कि समाधान की दिशा में सोचने और संकल्प लेने का मंच भी प्रदान करता है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि बालिकाओं के अधिकार कोई दया या अनुदान नहीं, बल्कि उनका जन्मसिद्ध अधिकार हैं। एक ऐसा राष्ट्र जो अपनी बालिकाओं को सुरक्षित, शिक्षित और सशक्त नहीं बना सकता, वह दीर्घकालिक प्रगति का सपना भी नहीं देख सकता।

आज जब भारत विश्व मंच पर एक उभरती हुई शक्ति के रूप में स्वयं को स्थापित करने की बात करता है, तब यह अनिवार्य हो जाता है कि हम अपने सामाजिक आधार को भी उतना ही मजबूत करें। आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक उपलब्धियाँ तब तक अधूरी हैं, जब तक समाज के सबसे कमजोर वर्ग-बालिकाएँ-सुरक्षित और सम्मानित नहीं हैं। राष्ट्रीय बालिका दिवस हमें इसी अधूरेपन का एहसास कराता है।

अंततः यह कहना अनुचित नहीं होगा कि कन्याओं का उत्थान केवल सामाजिक सुधार का प्रश्न नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्तित्व और भविष्य का सवाल है। जब एक बालिका भय के बिना जन्म ले सके, शिक्षा के साथ अपने सपनों को आकार दे सके और सम्मान के साथ समाज में जी सके, तभी यह देश वास्तव में प्रगतिशील कहलाएगा। राष्ट्रीय बालिका दिवस पर हमें केवल भाषण और आयोजन तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपनी सोच और व्यवहार में बदलाव लाने का ईमानदार प्रयास करना चाहिए। क्योंकि सच यही है कि सशक्त बालिका ही सशक्त भारत की सबसे मजबूत नींव है।

नजरिया

युवा शक्ति, शिक्षा प्रणाली और समस्याओं का अंबार

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 82374 17041

दुनिया में मनुष्य के पास शिक्षा एक ऐसा बेशकीमती मौका है, जो जीवन में हर क्षेत्र, हर उच्च पद, काबिलियत और विकास का जरिया बनता है और हर वह मुकाम हासिल करने के लायक जो मनुष्य चाहता है, यह शिक्षा ही दिलाती हैं। इसके साथ ही मनुष्य के सर्वांगीण विकास की जिम्मेदारी भी शिक्षा पर होती है, मनुष्य के बेहतर जीवनयापन और जीवन में आनेवाली समस्याओं को हल करने की ताकत शिक्षा देती हैं। शिक्षा मनुष्य को संस्कारित करने के साथ-साथ उनके कलागुणों को निखारती है, आज प्रतियोगिताओं के युग में हमें अधिक कुशल बनाने में सहायक है और सतत प्रगतिपथ पर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करके पथ प्रदर्शित करती हैं। मनुष्य ऐसी ही शिक्षा की कल्पना अपने जीवन के लिए करता है, जो उसके जीवन को सफल और सार्थक कर दें। शिक्षा पर हर एक मनुष्य का समान हक है और दुनिया में प्रत्येक को शिक्षा का यह अधिकार मिलना ही चाहिए ताकि वह अपना जीवन को बेहतर बना सकें, शिक्षा का भी यही उद्देश्य होता हैं। दुनिया में जिन देशों ने शिक्षा की गुणवत्ता और महत्व को समझा है, आज वह देश संपन्न राष्ट्रों में गिने जाते है, छोटे - छोटे देश भी शिक्षा की गुणवत्ता के बलबूते पर विकसित और प्रबल बन चुके हैं। यूनेस्को ने अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा दिवस 2026 की आधिकारिक थीम है शिक्षा को मिलकर बनाने में युवाओं की शक्ति घोषित की हैं।

देश में नई शिक्षा प्रणाली और कौशल विकास पर जोर दिया जा रहा है, ताकि युवाओं के सपनों को ऊंची उड़ान मिल सकें। फ्यूचर ऑफ जॉब्स रिपोर्ट 2025 के अनुसार, वर्तमान कार्यबल के लगभग 39 प्रतिशत के कौशल साल 2030 तक अप्रचलित अर्थात पुराने हो जाने की प्रबल संभावना हैं। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2025 के मुताबिक, सिर्फ़ 54.8 प्रतिशत भारतीय युवा ही नौकरी के काबिल माने जाते हैं, और कई लोगों में कार्यस्थल पर सफल होने के लिए आवश्यक डिजिटल दक्षता, अनुकूलनक्षमता और सॉफ्ट स्किल्स की कमी हैं।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो डेटा के मुताबिक, 2022 में भारत में गिरफ्तार हुए सभी नाबालिगों में से लगभग आधे 49.5 प्रतिशत हिंसक अपराधों में शामिल थे, यह 2016 के 32.5 प्रतिशत के मुकाबले बहुत ज़्यादा बढ़ोतरी है। राष्ट्रीय बाल अपराध दर 2022 में प्रति लाख बच्चों पर 6.9 से थोड़ा बढ़कर 2023 में 7.1 हो गया। दिल्ली में बच्चों में सबसे ज़्यादा अपराध दर, प्रति लाख बच्चों की आबादी पर 41.1 दर्ज किया गया, जो राष्ट्रीय औसत से बहुत ज़्यादा हैं। मानसिक तनाव की समस्या तेजी से बढ़ी है, देश के युवाओं में यह समस्या लगातार बढ़ रही है, बढ़ते तनाव, चिंता और अवसाद के साथ-साथ आसानी से मिलने वाले मानसिक सहयोग की कमी और लगातार सोशल स्टिग्मा की वजह से युवा मानसिक स्वास्थ्य समस्या का सामना कर रहे हैं। साल 2020-22 में, भारत में 15-29 साल के लोगों में आत्महत्या की वजह से 60,700 से ज़्यादा मौतें हुईं, जो दुनिया में सबसे ज़्यादा हैं। शिक्षित युवाओं में बेरोज़गारी बढ़ रही है क्योंकि पढ़ाई और नौकरी मार्केट की ज़रूरतों के बीच कौशल का मेल नहीं है, जबकि कई लोग कम फ़ायदों वाली, छोटे पद या जोखीमभरी नौकरियों में काम करने को मजबूर हैं। आज भी किसी सरकारी दफ्तर में चपरासी के पद के लिए पदभर्ती के विज्ञापन आने पर हजारो उच्च शिक्षित युवा उस चपरासी के पद के लिए आवेदन करते हैं। दोस्तों के दबाव और तनाव या मौजमस्ती के कारण युवाओं के नशे की लत के जाल में फंसने की संभावना बहुत अधिक बढ़ रही है और उनके उपचार, पुनर्वसन, साधनसंपन्न सुविधा केंद्रों की कमी इस समस्या को अधिक खराब कर रही हैं।

देश में बेरोजगारी का आलम तो हम सभी जानते ही है, लेकिन दशकों तक रिक्त पदों पर नई भर्ती न करना व्यवस्था या कार्यप्रणाली को कमजोर बना देती हैं। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र राज्य के राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में स्वीकृत प्रोफेसर पद 258 है, इसमें से वर्तमान में कार्यरत केवल 86 है, बाकि 66 प्रतिशत पद खाली पड़े हुए है, जिसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता हैं। यह सिर्फ एक विश्वविद्यालय की ही नहीं, अपितु संपूर्ण महाराष्ट्र राज्य में यही परिस्थिति है, देश के कुछ अन्य राज्यों के हालात भी कुछ अलग नहीं हैं।

कैग रिपोर्ट 2025 अनुसार, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में भारी गड़बड़िया मिली है, इस योजना के अंतर्गत 56.14 लाख युवाओं को ट्रेनिंग दी गई, उसमे से केवल 23.18 लाख युवाओं को रोजगार मिला, जबकि 32.96 लाख युवा अर्थात 58.71 प्रतिशत युवा कौशल विकास योजना का लाभ लेकर भी बेरोजगार ही रह गए हैं। इसमें 13.33 प्रतिशत युवा उम्मीदवार कौशल के लिए आवश्यक न्यूनतम योग्यता भी पूरी नहीं कर पा रहे थे। 94.53 प्रतिशत मामलों में बैंक अकाउंट डिटेल्स खाली थी, 94 प्रतिशत से ज्यादा बैंक खातों की वैध जानकारी नहीं थी, इस कारण 34 लाख युवाओं को 500 रुपये का रिवॉर्ड भी नहीं मिला। इस योजना में एक ही स्थान के प्रशिक्षण के फोटो का इस्तेमाल अनेक राज्यों में हो रहा था, अनेक ट्रेनिंग सेंटर असल में बंद थे, लेकिन सेंटर कागजों पर चल रहे थे। अधिकतम युवा उम्मीदवारों की ईमेल आईडी और मोबाइल नंबर भी फेक दिए गए थे। इस योजना के अंतर्गत 2015 से 2024 के बीच कुल 9261 करोड़ रुपया खर्च किया गया है, लक्ष्य 1.32 करोड़ युवाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देना था और 1.1 को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र भी प्राप्त हुआ कागजों पर, लेकिन कैग ने इसे आंकड़ों का खेल बताया।

देश में लगातार बढ़ती आर्थिक विषमता समाज में एक बड़ी खाई का निर्माण कर रही है, इससे विकास कार्य में बाधाएं उत्पन्न होती हैं। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक सर्वेक्षण रिपोर्ट यूथ पल्स 2026 : बदलती दुनिया के लिए अगली पीढ़ी की सोच के निष्कर्ष अनुसार, 48.2 प्रतिशत ने बढ़ती आर्थिक विषमता को सबसे बड़ा संकट बताया हैं। इस सर्वेक्षण में 144 देश शामिल हुए। 57 प्रतिशत युवाओं ने वित्तीय चिंताओं को तनाव का प्रमुख कारण बताया हैं। 57.2 प्रतिशत युवाओं ने रोजगार निर्माण या उपलब्धता को प्राथमिकता दी है, जबकि 46.1 प्रतिशत युवाओं ने सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उपलब्धता को जरुरत माना हैं।

देश में बेरोजगारी का आलम तो हम सभी जानते ही है, लेकिन दशकों तक रिक्त पदों पर नई भर्ती न करना व्यवस्था या कार्यप्रणाली को कमजोर बना देती हैं। उदाहरण के लिए महाराष्ट्र राज्य के राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में स्वीकृत प्रोफेसर पद 258 है, इसमें से वर्तमान में कार्यरत केवल 86 है, बाकि 66 प्रतिशत पद खाली पड़े हुए है, जिसका सीधा असर शिक्षा की गुणवत्ता पर पड़ता हैं। यह सिर्फ एक विश्वविद्यालय की ही नहीं, अपितु संपूर्ण महाराष्ट्र राज्य में यही परिस्थिति है, देश के कुछ अन्य राज्यों के हालात भी कुछ अलग नहीं हैं। कई राज्यों में शिक्षा विभाग की स्थिति काफी भयावह हैं। कई राज्यों में शिक्षा विभाग के घोटाले अक्सर सुनाई देते है, भ्रष्टाचार, परीक्षा पर्चा लिक, जाली दस्तावेज, नकली भर्ती, परीक्षा में डमी परीक्षार्थी, नकली पदवी खरीद मामला जैसे अनेक मामले दिनोंदिन उजागर होते रहते हैं। इन सब के कारण शिक्षा जैसे पवित्र पेशे को कालिख पोत दी जाती है, और नुकसान देश के वर्तमान व आनेवाली पीढ़ी को भुगतना पड़ता हैं।

देश के निजी शिक्षा संस्थान और अनेक राज्यों के सरकारी विद्यालयों, संस्थानों के बिच बहुत बड़ा अंतर है, जो समय के साथ तेजी से बढ़ता ही जा रहा हैं। पिछले दशक (लगभग 2014-2024) में भारत में लगभग 90,000 सरकारी स्कूल बंद हो चुके है और इस दौरान भारत में प्राइवेट स्कूलों की संख्या में लगभग 42,944 की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, ऐसा सरकारी आंकड़े और यूनेस्को की रिपोर्ट बताती हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और योग्यतानुसार रोजगार या व्यवसाय उपलब्धता ये तीन बाते मनुष्य को सहज उपलब्ध होनी चाहिए। इसमें कभी भी भेदभाव या आर्थिक विषमता रूकावट नहीं होनी चाहिए। देखा जाए तो देश का पूरा भविष्य उस देश की शिक्षा निति और उसकी गुणवत्ता पर निर्भर करती हैं। अच्छी शिक्षा समाज और देश के प्रत्येक क्षेत्र में काबिल और जिम्मेदार कर्तृत्वशैली युक्त प्रभावी युवा शक्ति का निर्माण करती हैं। शिक्षा से संस्कार, ज्ञान, कौशल और सुजान नागरिक बनकर व्यक्ति देश और विश्व में पथप्रदर्शित करते हैं। विकसित देशों का उदाहरण हमारे सामने है, ओलंपिक जैसे विश्व स्तरीय खेलों में छोटे - छोटे देश पदक तालिका में ऊपर होते हैं। जो देश उन्नत हुए, वे अपने मजबूत और कौशल्यपूर्ण शिक्षा प्रणाली के बलबूते पर। आनेवाला कल भी उसी देश का उज्ज्वल होगा, जो शिक्षा के गुणवत्ता को समझेगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

'बॉर्डर 2' की रिलीज से पहले सनी देओल ने ताजा की आईएनएस विक्रांत की यादें, गर्व से भर उठे अभिनेता

मुंबई/एजेन्सी

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी स्टारर फिल्म 'बॉर्डर-2' रिलीज से पहले ही सोशल मीडिया पर छा चुकी है, क्योंकि हर कोई वीडियो पोस्ट कर 'बॉर्डर-2' की स्टारकास्ट को कमेंट करने के लिए टैग कर रहा है। फिल्म की रिलीज में बहुत कम समय बचा है और बॉर्डर के 'फतेह सिंह कलेर' यानी सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के प्रमोशन की कुछ फोटोज पोस्ट की हैं जिसमें वे पूरी टीम के साथ दिख रहे हैं। फोटोज में 'बॉर्डर-2' की टीम को नौसेना के अधिकारों के साथ आईएनएस विक्रांत पर देखा जा रहा है। एक फोटो में अभिनेता वायु सेना के अधिकारियों के साथ बातचीत करते दिख रहे हैं। फिल्म के प्रमोशन के दौरान कई गानों को सेना को समर्पित करते हुए उनके सामने ही लॉन्च किया गया। फोटोज पोस्ट कर अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, कुछ जगहें सिर्फ आपको घेरती नहीं हैं, बल्कि आपको बदल देती हैं। आईएनएस विक्रांत ने मुझे अपार गर्व, शक्ति और साहस से भर दिया। यह एक ऐसा पल है जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगा। हमारी नौसेना, हमारे बलों और उस जज्बे को सलाम जो हर दिन हमारी मातृभूमि की रक्षा करता है।

प्रमोशन के दौरान उन सैनिक परिवारों को भी बुलाया गया, जिनके बेटे या पति देश की रक्षा में कुर्बान हुए थे। फिल्म के मेकर्स ने सभी शहीदों को ट्रेलर लॉन्च से लेकर गानों के रिलीज के दौरान श्रद्धांजलि अर्पित की। फिल्म 23 जनवरी को रिलीज होने वाली है, लेकिन फिल्म को रिलीज से पहले झटका लगा है। फिल्म को खाड़ी देशों में बैन कर दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में फिल्म के रिलीज पर बैन लगा दिया है। ये पहला मौका नहीं है कि जब किसी देशभक्ति से ओतप्रोत फिल्म को खाड़ी देशों में बैन का सामना करना पड़ा है। इससे पहले रिकॉर्डतोड़ कमाई करने वाली फिल्म 'धुरंधर' को भी खाड़ी देशों में बैन किया गया, हालांकि इससे फिल्म की कमाई पर कोई खास फर्क नहीं देखने को मिला है।

ग्रीनलैंड पर ट्रंप की अपनी ही पार्टी में विरोध के स्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोरंटो। हाल के दिनों में वैश्विक सुर्खियों से यह आभास हो रहा था कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड पर कब्जे की योजना शीघ्र साकार हो सकती है। लेकिन अब ग्रीनलैंड ट्रंप के लिए एक तरह से 'बूमरैंग' साबित हो रहा है क्योंकि उन्हें अपने ही देश में और अपनी ही पार्टी में इस मुद्दे पर विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं।

वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाने के लिए की गई अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की सफलता से उत्साहित ट्रंप ने अपनी आक्रामक बयानबाजी तेज कर दी थी और विरोध करने वाले देशों पर शुल्क लगाने की धमकी दी थी। ट्रंप ने यूरोपीय नेताओं का मजाक उड़ाते हुए उनके निजी संदेश सार्वजनिक किए और ग्रीनलैंड पर अमेरिकी झंडा फहराते हुए अपनी एआई-जनित तस्वीर भी साझा की। हालांकि, इन सुर्खियों के पीछे एक अलग वास्तविकता सामने आई है, जिसने ग्रीनलैंड के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और यूरोप पर प्रस्तावित शुल्क लगाने के उनके रुख को कमजोर कर दिया है। अमेरिकी जनता के बीच ट्रंप की सैन्य धमकियों को बेहद नकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। जनमत सर्वेक्षणों में यह विकल्प अत्यंत अलोकप्रिय साबित हुआ।

इप्सोस के एक हालिया सर्वे के अनुसार, केवल चार प्रतिशत अमेरिकी नागरिक ही ग्रीनलैंड पर कब्जे के लिए सैन्य बल के उपयोग का समर्थन करते हैं। इस असंतोष के चलते रिपब्लिकन पार्टी के भीतर भी विरोध के स्वर तेज हो गए हैं।

ग्रीनलैंड पर नियंत्रण के लिए ट्रंप के पास तीन विकल्प माने जाते हैं कूटनीति, आर्थिक सौदेबाजी और सैन्य बल। हालिया कूटनीतिक प्रयास उस समय विफल हो गए, जब ग्रीनलैंड और डेनमार्क के विदेश मंत्रियों ने क्षेत्र के भविष्य को लेकर गंभीर मतभेदों के साथ वार्ता समाप्त कर दी।

ग्रीनलैंड को खरीदने का प्रस्ताव भी खारिज हो चुका है, क्योंकि वहां के लोगों ने स्पष्ट कर दिया है कि यह क्षेत्र बिक्री के लिए नहीं है और अमेरिकी कांग्रेस भी इसके लिए धन स्वीकृत करने को तैयार नहीं है।

ऐसे में सैन्य विकल्प ही शेष बचता है, लेकिन यही सबसे जोखिमपूर्ण साबित हो रहा है। प्रतिनिधि सभा और सीनेट में कई रिपब्लिकन सांसदों ने ग्रीनलैंड पर कब्जे का विरोध करने के संकेत दिए हैं। पर्याप्त विरोध की स्थिति में अमेरिकी कांग्रेस ट्रंप की योजनाओं पर रोक लगा सकती है। इसके अतिरिक्त, नाटो सहयोगियों के खिलाफ किसी भी सैन्य कार्रवाई को लेकर अमेरिकी सैन्य नेतृत्व के स्तर पर भी असहमति की आशंका जताई जा रही है। यूरोप ने भी इस संभावित खतरे को गंभीरता से लिया है। डेनमार्क और उसके सहयोगियों ने ग्रीनलैंड में सैन्य उपस्थिति बढ़ा दी है, जिसे रणनीतिक रूप से 'ट्रिपवायर फोर्स' माना जा रहा है। इसका उद्देश्य किसी भी आक्रमण की कीमत बढ़ाना और अमेरिका को आसान जीत से रोकना है। आर्थिक मोर्चे पर भी यूरोप जवाबी कदमों पर विचार कर रहा है। यूरोपीय संघ के पास ऐसा तंत्र है, जिससे वह अमेरिकी व्यापार को नुकसान पहुंचा सकता है।

'द राइज ऑफ अशोक' में 1,000 कलाकार, 138 दिन में पूरी हुई फिल्म : सतीश निनासम

चेन्नई/एजेन्सी

कन्नड़ सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता सतीश निनासम अपनी आने वाली फिल्म 'द राइज ऑफ अशोका' को लेकर काफी उत्साहित हैं। यह फिल्म 70वें दशक के उस समय की कहानी पर आधारित है, जब कर्नाटक और तमिलनाडु की सीमा के पास रहने वाले एक युवक ने समाज के पुराने नियमों और परंपराओं को चुनौती दी। सतीश निनासम ने प्रेस मीट के दौरान खुलासा किया, ''इस फिल्म में कम से कम 1,000 कलाकार शामिल हैं और इसे शूट करने में कुल 138 दिन लगे। यह फिल्म अपनी भारी भरकम कास्ट, विशाल सेट और विस्तृत योजना के कारण कई मायनों में विशेष महत्व रखती है।'' अभिनेता ने कहा, ''यह कहानी एक ऐसे युवक के इर्द-गिर्द घूमती है, जो सरकारी नौकरी पाने की कोशिश करता है और अपने परिवार और समुदाय में लागू परंपराओं के बंधनों से खुद को आजाद करना चाहता है। यह कहानी केवल एक व्यक्ति के संघर्ष की नहीं, बल्कि पूरे समुदाय के सामाजिक बदलाव की प्रेरक कहानी है।''

सतीश निनासम ने बताया, ''उस समय के परिवेश और जीवनशैली को फिर से बनाने में कई चुनौतियां थीं। अब के समय में गांवों में बड़े-बड़े मकान और सड़कें हैं, जबकि उस समय की वास्तविकता पूरी तरह अलग थी। इसलिए फिल्म में पुराने जमाने के कच्चे घर, कच्चे रास्ते और उस समय के दैनिक जीवन की सादगी को असली दिखाने की कोशिश की गई है।''सतीश ने कहा, ''फिल्म में शामिल प्रत्येक कलाकार के हाव-भाव, पोशाक और अभिनय पर विशेष ध्यान दिया गया ताकि कहानी का वास्तविकता से मेल खाता अनुभव दर्शकों तक पहुंच सके। इस फिल्म में सभी पात्रों का महत्व है और उनकी भूमिका केवल पृष्ठभूमि भर नहीं है, बल्कि कहानी की गहराई और प्रभाव को बढ़ाने में मदद करती है।''अभिनेता ने बताया, ''निर्देशक ने सीजी तकनीक (कंप्यूटर जनित चित्रण) का उपयोग करके 1,400 शॉट्स को यथासंभव वास्तविक दिखाया है। फूलों से भरे खेतों को बड़ा दिखाना या बिजली के तारों को सीन्स से हटाना, जैसी विजुअल्स के लिए सीजी की मदद ली गई। इस काम को पूरे होने में लगभग छह महीने लगे। सीजी इस तरह से तैयार किया गया है कि दर्शक इसे पकड़ भी नहीं पाएंगे और फिल्म वास्तविक और प्राकृतिक लगेगी।'' फिल्म में सप्तमी गौड़ा मुख्य भूमिका में हैं, जो पहले फिल्म 'कांतारा' में नजर आ चुकी हैं।

सुधार आधारित निवेश के माहौल ने भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था में मदद की : माथुर

बीजिंग/भाषा। शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने शुक्रवार को कहा कि नीतियों के स्थिर माहौल और अनुमान योग्य, सुधार आधारित निवेश के माहौल ने हाल के दिनों में भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था के तौर पर उभरने में मदद की है। महावाणिज्य दूतावास ने 'एक्स' पर कहा कि शंघाई इंटरनेशनल बिजनेस कोऑपरेशन फोरम के 11वें संस्करण में माथुर ने 'मेक इन इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' जैसी पहलों को वैश्विक रैंकिंग में नई दिल्ली के शीर्ष क्रम पर आने के जरूरी कारक के तौर पर परिभाषित किया। माथुर ने आगामी एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में बढ़ती वैश्विक दिलचस्पी के बारे में विस्तार से बात की, जिसकी मेजबानी भारत 19-20 फरवरी को करेगा और इसमें 'जन (पीपुल), पृथ्वी (प्लेनेट) और प्रगति (प्रोग्रेस)' के सिद्धांतों पर ध्यान दिया जाएगा।

माथुर ने भारत की वैश्विक दक्षिणोन्मुखी, जन केंद्रित और समावेशी नीतियों, मसलन 'भाषिणी' के बारे में भी बात की, जिसने एक लाख से अधिक स्टार्टअप के साथ दुनिया के सबसे बड़े स्टार्टअप तंत्र को बढ़ावा देने की देश की क्षमता को बढ़ाया है।

सरकार का 'भाषिणी' एआई मंच एक सुरक्षित 'क्लाउड' माहौल में टेक्स्ट, नंबर, आवाज, तस्वीर और वीडियो का अनुवाद करने की सुविधा देता है।

महावाणिज्य दूत ने कहा कि इस प्रक्रिया में, भारत ने फिनटेक, डीप-टेक, ग्रीन टेक्नोलॉजी और दूसरे नए और उभरते क्षेत्रों में यूनिकॉर्न की तरक्की भी सुनिश्चित की। माथुर ने एक प्रश्नोत्तर सत्र में भाग लिया जिसमें 400-500 निवेशक और साझेदार शामिल थे। उन्होंने इस सत्र में विनिर्माण, संपर्क, कराधान और कॉर्पोरेट शासन जैसे कई क्षेत्रों में भारत में किए जा रहे प्रणालीगत सुधारों पर बात की।

जुलूस

अगरतला में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के मौके पर आयोजित जुलूस में स्कूली छात्र हिस्सा लेते हुए।

'गनमास्टर जी9' से नई शुरुआत करने जा रही जेनेलिया देशमुख

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा की चुलबुली अदाकारा जेनेलिया देशमुख एक बार फिर अपने अभिनय करियर में नए अध्याय की शुरुआत कर रही हैं। चुनिंदा फिल्मों के बाद अब जेनेलिया ने अपनी अगली फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। इस फिल्म को उन्होंने 'नई शुरुआत' का टैग दिया है। यह फिल्म न केवल उनके करियर के लिए अहम मानी जा रही है, बल्कि दर्शकों के लिए भी उत्सुकता का विषय बन गई है। जेनेलिया ने इस नए सफर की झलक इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा की। इस पोस्ट में उनके चेहरे का एक साइड प्रोफाइल दिखाई दे रहा है। इस तस्वीर पर उन्होंने लिखा, 'नई शुरुआत'। इस पोस्ट में जेनेलिया ने फिल्म का नाम भी साझा किया। जिस फिल्म से जेनेलिया यह नई शुरुआत कर रही हैं, उसका नाम 'गनमास्टर जी9' है। यह एक एक्शन और जासूसी कहानी पर आधारित फिल्म है, जिसमें उनके साथ अभिनेता इमरान हाशमी मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म का निर्देशन आदित्य दत्त कर रहे हैं। इस फिल्म में अभिनेता अपारशक्ति खुराना भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। 'गनमास्टर जी9' साल 1979 में बनी चर्चित जासूसी फिल्म 'सुरक्षा' से प्रेरित मानी जा रही है। उस दौर में 'गनमास्टर जी9' का किरदार अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। अब इसी किरदार को नए समय, नई सोच और नए अंदाज में पेश किया जा रहा है। फिल्म में पुराने जासूसी रोमांच के साथ आधुनिक प्रस्तुति देखने को मिलेगी।इस फिल्म का संगीत हिमेश रेशमिया तैयार कर रहे हैं। माना जा रहा है कि फिल्म में एक्शन के साथ-साथ संगीत भी कहानी को मजबूती देगा। इसके अलावा, जेनेलिया जल्द ही निर्देशक राम गोपाल वर्मा की हॉरर कॉमेडी फिल्म 'पुलिस स्टेशन में भूत' में भी नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेता मनोज बाजपेयी मुख्य भूमिका में होंगे। खास बात यह है कि यह पहली बार होगा जब जेनेलिया और मनोज बाजपेयी एक साथ पर्दे पर दिखाई देंगे। फिल्म डर और हास्य का अनोखा मेल बताई जा रही है।

'तस्करी' में प्रिया बनकर छाईं जोया अफरोज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिनका सफर सिर्फ कामयाबी की कहानी नहीं होता, बल्कि धैर्य, सीख और लगातार आगे बढ़ने की मिसाल भी होता है। अभिनेत्री जोया अफरोज उन्हीं में से एक हैं। बतौर बाल कलाकार फिल्मों के सेट पर कदम रखने वाली जोया आज नेटफ्लिक्स की चर्चित सीरीज 'तस्करी' में प्रिया के मजबूत और जटिल किरदार के लिए सराहना बटोर रही हैं। 'तस्करी' को न सिर्फ देश में, बल्कि ग्लोबल लेवल पर भी पहचान मिल रही है और यह जोया के करियर का एक अहम पड़ाव बन चुका है। आईएएनएस से बात करते हुए जोया अफरोज ने कहा, ''मैंने अपने करियर की शुरुआत बहुत कम उम्र में की थी। सूरज बड़जात्या की फिल्म 'हम साथ-साथ हैं' के सेट पर काम शुरू किया और इसके बाद रमेश सिप्पी, रोहन सिप्पी जैसे दिग्गज निर्देशकों के साथ भी काम किया।''

जोया ने बताया कि फिल्म 'कुछ ना कहो' समेत कई प्रोजेक्ट्स में नजर आने के बाद उन्होंने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट और मॉडल खूब अनुभव हासिल किया। इसके बाद मिस इंडिया बनने और मिस इंटरनेशनल में भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला, लेकिन अभिनय हमेशा पहली पसंद रहा। जोया ने कहा, ''इतनी छोटी उम्र में काम शुरू करने का फायदा यह रहा कि मुझे इंडस्ट्री को बहुत

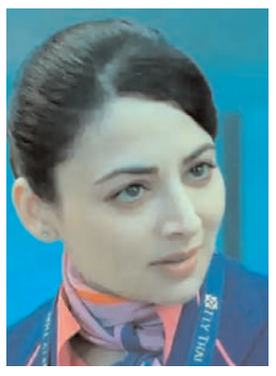

करीब से समझने का मौका मिला। बड़े निर्देशकों और कलाकारों के साथ काम करके मैंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। सफर भले ही लंबा रहा हो, लेकिन बेहद संतोषजनक रहा है। आज 'तस्करी' जैसी ओटीटी सीरीज का हिस्सा बनना और उसका नंबर वन होना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है।'' 'तस्करी' में जोया ने प्रिया का किरदार निभाया है, जो एक एयर होस्टेस है और कस्टम अधिकारियों और तस्करों की दुनिया के बीच फंसी हुई है। यह किरदार चुनौतीपूर्ण है।

जोया ने कहा, ''यह रोल मुझे इसलिए खास लगा, क्योंकि निर्देशक नीरज पांडे महिला किरदारों को बेहद मजबूती और गहराई के साथ लिखते हैं। प्रिया कोई साधारण महिला पात्र नहीं है, बल्कि कहानी को आगे बढ़ाने वाली अहम कड़ी है।''इस प्रोजेक्ट के साथ जुड़ने का अनुभव साझा करते हुए जोया ने कहा, ''जब मुझे 'तस्करी' का ऑफर मिला, तब मैं असम में अपने ननिहाल में थी। अचानक कॉल आया। मैंने बिना किसी गारंटी के तुरंत बैग पैक किया और हजारों किलोमीटर का सफर तय कर ऑडिशन के लिए पहुंचीं। उसी दिन मेरा लुक टेस्ट हुआ और मुझे फाइनल कर लिया गया। अगले ही दिन वर्कशॉप और फिर शूटिंग शुरू हो गई। नीरज पांडे जैसे नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक का ऐसा भरोसा मेरे लिए बेहद प्रेरणादायक अनुभव रहा।'' उनके लिए सीरीज का सबसे चुनौतीपूर्ण सीन इमरान हाशमी के साथ इंटेरोगेशन का था, जो उनका पहला शूटिंग सीन भी था। उन्होंने कहा, पहली ही सुबह, पहला शॉट और इतना इमोशनल सीन था कि मैं काफी नर्वस हो गई थी, लेकिन आज वही सीन दर्शकों को सबसे ज्यादा पसंद आ रहा है।

इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव पर जोया ने कहा, वह बेहद सहज, समझदार और जमीन से जुड़े अभिनेता हैं। सेट पर उनकी मौजूदगी सीन को और बेहतर बना देती है। नीरज पांडे और इमरान हाशमी की जोड़ी बेहद रियल है। दोनों ही कहानी और किरदारों में सच्चाई लाते हैं। अपने करियर को लेकर जोया ने कहा, मैं खुद को कभी अलग-अलग रास्तों में नहीं बांधती। मेरे लिए अभिनय, मिस इंडिया और फिर अभिनय में वापसी, सब एक ही सफर का हिस्सा है। 'तस्करी' मेरे करियर की बड़ी उपलब्धि है और आगे भी मैं ऐसे ही दमदार किरदार निभाना चाहती हूं।

मर्दानी से थप्पड़ तक : 2014 के बाद बदली हीरोइन की परिभाषा, बॉलीवुड ने महिलाओं की आवाज को बनाया ताकत

मुंबई/एजेन्सी

भारत में बेटियों के प्रति सामाजिक सोच बदलने और उन्हें आर्थिक और सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को गुरुवार को 11 साल पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2015 को शुरू किए गए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान और उसके साथ जुड़ी 'सुकन्या समृद्धि योजना' ने देश के हर कोने में बालिकाओं के सशक्तीकरण की नई इबारत लिखी है। भाजपा की सरकार आने के बाद न केवल महिलाओं को सशक्त करने के लिए कई योजनाएं लाई गईं, बल्कि बॉलीवुड ने भी महिला केंद्रित कहानियों के जरिए समाज को प्रेरित करने का काम किया। 2014 के बाद रिलीज हुई कई फिल्मों ने यह संदेश दिया कि महिलाएं न सिर्फ अपने अधिकारों के लिए खड़ी हो सकती हैं, बल्कि अपने निर्णयों से समाज में बदलाव भी ला सकती हैं।

मर्दानी: रानी मुखर्जी की 'मर्दानी' फ्रैंचाइजी लोगों की पसंदीदा है। अब इस फ्रैंचाइजी का तीसरा पार्ट जल्द ही आने वाला है। इसमें रानी ने शिवानी शिवाजी रॉय का किरदार निभाया। 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'मर्दानी' में शिवानी एक निडर पुलिस अधिकारी हैं, जो महिला उत्पीड़न और अपराध के खिलाफ लड़ती हैं। गोपी पुथरान के निर्देशन में बनी यह क्राइम थ्रिलर फिल्म पुरुष प्रधान मानसिकता के खिलाफ लड़ती है। रानी मुखर्जी ने अपने किरदार में भाव, चाल और फेमिनिस्ट रवैये के साथ पूरी फिल्म का भार अपने कंधों पर उठाया, जबकि विशाल जेठवा ने विलन के रूप में सस्पेंस और डर का असर बढ़ाया।

हिचकी: 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'हिचकी' में रानी मुखर्जी ने एक अलग ही भूमिका निभाई। फिल्म में वह टीचर नैना माथुर के किरदार में टॉरेट सिंड्रोम जैसी चुनौती का सामना करती हैं। 18 स्कूलों से रिजेक्ट होने के बावजूद नैना अपने सपनों को पूरा करने और बच्चों को पढ़ाने के अपने जुनून में लगी रहती हैं। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा के निर्देशन में बनी यह कॉमेडी ड्रामा समाज में उन बीमारियों और मानसिक चुनौतियों के प्रति जागरूकता फैलाती है, जिन्हें अक्सर हल्के में लिया जाता है। रानी का किरदार बताता है कि आत्मविश्वास और धैर्य से हर महिला अपने सपनों को सच कर सकती है।

डियर जिंदगी: 2016 में रिलीज हुई फिल्म में आलिया भट्ट और शाहरुख खान ने ऐसी कहानी प्रस्तुत की, जो मानसिक स्वास्थ्य और खुद को समझने के महत्व पर आधारित है। आलिया का किरदार कायरा अपनी जिंदगी की उलझनों और डर से जूझती है और मनोचिकित्सक शाहरुख खान उसे खुद को समझने और खुश रहने का तरीका सिखाते हैं। गौरी शिंदे के निर्देशन में बनी यह फिल्म महिलाओं के आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के संदेश को बखूबी पेश करती है।

राजी: फिल्म राजी में आलिया भट्ट ने सहमत का किरदार निभाया, जो 1971 के भारत-पाक युद्ध के समय देश की खातिर पाकिस्तान में जासूस बन जाती है। 2018 में रिलीज हुई फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया। यह थ्रिलर न केवल देशभक्ति की कहानी बताती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि महिलाएं अपने साहस और बुद्धिमानी से किसी भी मुश्किल परिस्थिति में सफल हो सकती हैं। विक्की कौशल, जयदीप अहलावत और संजय सूरी ने भी अपने-अपने किरदारों के जरिए फिल्म को सशक्त बनाया।

थप्पड़: अनुभव सिन्हा की फिल्म 'थप्पड़' ने घरेलू हिंसा और पारिवारिक दबाव की उन कहानियों को पर्दे पर उतारा, जिनमें अक्सर महिलाएं अपने हक के लिए खड़ी नहीं हो पातीं। 2020 में रिलीज हुई फिल्म में तापसी पन्नू ने अमृता के किरदार में एक सामान्य गृहिणी के रूप में दिखाया कि कैसे एक छोटे से थप्पड़ ने उसकी जिंदगी बदल दी और उसने अपने हक के लिए आवाज उठाई। फिल्म में कई औरतों के जीवन की कहानियों को दिखाया गया, जिसके जरिए समझाया गया कि हर महिला अपने अधिकार के प्रति संवेदनशील होती है।

द केरल स्टोरी: निर्देशक सुदीप्तो सेन की फिल्म 'द केरल स्टोरी' 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म की कहानी फातिमा उर्फ शालिनी (अदा शर्मा) के इर्दगिर्द घूमती है, जो अपनी सहेलियों गीतांजलि (सिद्धि इदनानी), निमाह (योगिता बिहानी) और आसिफा (सोनिया बलानी) के साथ नर्सिंग स्कूल में एडमिशन लेती है, लेकिन इस दौरान वे कट्टरपंथी संगठनों के जाल में फंस जाती हैं। शालिनी को पहले पाकिस्तान और फिर सीरिया ले जाया जाता है। अदा शर्मा का किरदार डर, पीड़ा और बेचैनी के बावजूद अपनी पहचान और स्वतंत्रता की लड़ाई को मजबूती से दिखाता है।

हिंदुस्तान चैंबर ऑफ़ कॉमर्स ने मनायी अपनी वर्षगांठ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हिंदुस्तान चैंबर ऑफ़ कॉमर्स ने यहां एक होटल में अपना 80वाँ वर्षगांठ भव्य तरीके से मनाया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि तमिलनाडु के दुग्ध एवं डेयरी विकास मंत्री टी मनो थंगराजन एवं विशिष्ट अतिथि एम इंजीनियरिंग के संस्थापक महेंद्र के जैन उपस्थित रहे। हिंदुस्तान चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के 80 वें वर्षगांठ के अवसर पर मेसर्स रामराज कॉटन को उनकी व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए चैंपियन ऑफ ह्यूमैनिटी अवार्ड से सम्मानित किया गया इसके साथ ही विकलांगों, अनाथों की सेवा के लिए समर्पित अमर सेवा संगम ट्रस्ट को भी चैंपियन ऑफ ह्यूमन ह्यूमैनिटी अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अमर सेवा संगम ट्रस्ट की ओर से इसके संस्थापक अध्यक्ष एस रामकृष्णन तथा शंकर रामन ने मुख्य अतिथि के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया और सभा को संबोधित किया।

ज्ञातव्य है कि 80 साल पुराने इस संगठन में व्यापार एवं उद्योग जगत के एक हजार से अधिक सदस्य जुड़े हुए हैं इस संस्थान में देश के प्रख्यात नेताओं राज्यों के राज्यपालों उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों सहित विभिन्न सरकारी विभाग के सचिव विभिन्न पदों पर आसीन रहे है।

कार्यक्रम में चेंबर द्वारा रखी गई मजबूत नींव तथा चैंबर को निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन देने के लिए इसके पूर्व अध्यक्षों को मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में हिंदुस्तान चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष टी रमेश कुमार दुग्गर, प्रवीण टाटिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

साहित्य भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां उपनगर ओराट्टुक्कुप्पै के प्रथमिक विद्यालय में आचार्य श्री रघुनाथमलजी म सा का 316वाँ जन्मदिवस पर अन्नदान और पढ़ाई में उपयोगार्थ साहित्य भेंट कर वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर)के महासचिव टाइगर खारीवाल ने बच्चों से जीवन में पढ़ाई के महत्व पर बल दिया और कहा कि आचार्यश्री ने धर्म पताका फहराते हुए शुद्ध धर्म का पुनः स्थापना की थी। विद्यालय की प्राचार्य अनुराधा ने स्वागत किया एवं अध्यापिका अनुराधा ने संचालन किया। संघ के संस्थापक राजेश कुमार गादिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पाठ्यपुस्तकें वितरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां महावीर जैन ग्रुप द्वारा सामाजिक सेवा के अंतर्गत आलथुर गांव स्थित उदवम ननबर्गल स्कूल के विद्यार्थियों को तृतीय टर्म की पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं। इस अवसर पर ग्रुप की अध्यक्ष डॉ.निर्मला वशंत छल्लाणी ने बताया कि इस सेवा कार्य के लिए तेजाराम दिलीपकुमार सोलंकी एवं कुसुम फोमरा प्रायोजक के रूप में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम में वशंत छल्लाणी, सीतालक्ष्मी एवं शरणया की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्कूल के प्रभारी पार्थसारथी ने सभी अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं का स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

गोड़वाड़ महासभा का स्नेह मिलन कल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। गोड़वाड़ जैन महासभा का स्नेह मिलन कल रविवार को एक निजी रिसॉर्ट में आयोजित होगा। तैयारियों का जायजा लेने हेतु गोडवाड़ भवन में आयोजित सभा में महासभा के महामंत्री प्रवीणकुमार चांदावत ने बताया कि स्नेह मिलन के संपूर्ण लाभार्थी पुष्पाबाई भवरलाल श्रीश्रीमाल परिवार के सम्मान के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। महासभा के वरिष्ठ कुमारपाल सिसोदिया ने बताया कि दिन भर चलने वाले कार्यक्रम में गोडवाड़ कार्निवल एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ 85 वर्ष आयु एवं उससे ऊपर की आयु वाले गोड़वाड़वासियों का सम्मान किया जाएगा। स्नेह मिलन के चेयरमैन अक्षिन सेमलानी ने बताया कि शहर के विभिन्न उपनगरों से आवागमन हेतु बसों की व्यवस्था रखी गई है। सभा में किरण कांकरिया, निर्मल धोका, महीपाल सुराणा, राजेश राठौड़, गोपाल सिसोदिया, भरत सेमलानी, राहुल सुराणा, अशोक बंबोली, कैलाश कांकरिया, उत्तम चांदावत आदि ने उपस्थित होकर अपने विचार व्यक्त किए।

वसंत पंचमी पर बाबा श्याम का वसंती श्रृंगार बना आकर्षण का केन्द्र

'बाबा श्याम का पीला वस्त्र किसी वरदान से कम नहीं है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघट्टा रोड स्थित श्याम मंदिर में वसंत पंचमी महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें बाबा श्याम की प्रतिमा का पीले फूलों से विशेष सजावट की गई तथा दिन भर मंदिर भक्तों के दर्शनार्थ खुला रहा। सुबह से बाबा के वसंती श्रृंगार के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। वसंत पंचमी के मौके पर बाबा की प्रतिमा द्वारा पहनी गई पीली पोशाक को बदल कर नई पोशाक पहनाई जाती है। बाबा के तन से लगी यह बदली गई पोशाक को बहुत ही शुभ माना जाता है। यह पीला वस्त्र किसी वरदान से कम नहीं माना जाता। इस पीले वस्त्र को अपने पास रखने से व्यापार, सन्तान प्राप्ति, शादी विवाह व परिवार में सुख शांति के लिए वरदान साबित होता है, ऐसा माना जाता है। इस वस्त्र को पाने के लिए हर श्रद्धालु लालायित रहता है और शुक्रवार को इस वस्त्र के हिस्से को पाने के लिए मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

समाज उत्थान में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है : मुनि पुलकित कुमार

ईटा अपार्टमेन्ट पहुंची तेरापंथ महिलाओं की संगठन यात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मुनिश्री पुलकित कुमार जी के सान्निध्य में तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा ईटा गार्डन अपार्टमेंट में अध्यक्षा लक्ष्मी बोहरा की अध्यक्षता में संगठन यात्रा संपन्न हुई। डॉ मुनिश्री पुलकित कुमारजी ने कहा, महिलाओं की समाज उत्थान में महत्वपूर्ण भूमिका है। महिलाएं गुरु इंगित की आराधना करते हुए आध्यात्मिक उन्नति करने का प्रयास करें। मुनिश्री ने उपस्थित महिलाओं को प्रेरणा देते हुए कहा, किसी के पास मोबाइल हो या न हो पर चेहरे पर स्माइल जरूर होनी चाहिए, यही पारिवारिक प्रसन्नता का सूत्र है। ङ्कअध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा ने मुनि द्वय के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए सभी का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि हमारा धर्म संघ एवं संगठन दोनों ही समाज के विकास के लिए एवं स्वयं के विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुरु इंगित जो भी आध्यात्मिक कार्य या अखिल भारतीय संगठन से मानव सेवा या समाज सेवा का कार्य हो, आप सबका सहयोग हमारे लिए महत्वपूर्ण रहता है और हम सब मिलकर लक्ष्य तक पहुँचें, यही संगठन यात्रा का उद्देश्य है । ङ्कमंत्री विजेता रायसोनी ने संगठन की महत्ता को उजागर करते हुए महिला मंडल की प्रत्येक गतिविधि में सदस्याओं को सक्रियता से जुड़ने का आह्वान किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित आगामी कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। संयोजिका इंदु खिवेंसरा तथा नीता गादिया ने कार्यक्रम की रुपरेखा बताई। शिविर के प्रायोजक महेन्द्र संदीपश्रीमाल परिवार द्वारा द्वारा बैनर अनावरण किया गया।

'मातृछाया' ने किदवई अस्पताल में रोगियों को किया सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन महिला संगठन 'मातृछाया' की सदस्याओं ने शुक्रवार को किदवई अस्पताल में कैंसर उपचाराधीन रोगियों के लिए एक बार पुनः सेवा कार्य का आयोजन किया। इस अवसर पर रोगियों को स्टील वाटर फ्लास्क एवं टिफ़िन प्रदान किए गए। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने सभी रोगियों से मुलाकात की।

सचिव रेशमा बड़ोला ने उपचाराधीन रोगियों की स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्हें निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया। मीना सोलंकी एवं रीटा प्रेमजी ने संस्था के सेवा कार्यों की जानकारी साझा की। किदवई सोशल वेलफेयर ऑफिसर किरण कुमार ने बताया कि मातृछाया संगठन प्रत्येक दो-तीन माह में किदवई अस्पताल में आकर सेवा-सहयोग प्रदान करता आ रहा है। इस सेवा कार्य में सचिनकुमार रमेशकुमारजी संघवी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। मातृछाया संगठन ने लाभार्थी परिवार को धन्यवाद दिया।

'केसर लगाकर मुमुक्षु लवेश सिंघवी 'संयम पथ' पर आरोहण करने के लिए तैयार'

साधु साध्वियों की निश्रा में मुमुक्षु का केसर समारोह सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट एवं आराधना केन्द्र के तत्वावधान में पंडितरत्न व्याख्यानी श्री ज्ञानमुनि जी म सा, उपप्रवर्तकश्री नरेशमुनिजी, शालिभद्रमुनिजी, लोकेशमुनिजी, उपप्रवर्तिनी सत्यप्रभाजी, सुप्रभाजी, डॉ प्रतिभाश्रीजी, डॉ मेघाश्रीजी, ऋद्धिश्रीजी के सान्निध्य में मुमुक्षु लवेश सिंघवी के जैनेश्वरी भागवती दीक्षा महोत्सव पर शुक्र को पंच दिवसीय कार्यक्रमों के तहत केसर समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर बेंगलूरु के विभिन्न उपनगरों तथा बाहर गांव बड़ी संख्या में गुरु भक्तों की उपस्थिति रही। ङ्कमुमुक्षु लवेश के दीक्षोत्सव प्रसंग पर आयोजित हुए केसर समारोह पर ज्ञानमुनिजी व नरेशमुनिजी सहित विभिन्न साधु साध्वियों ने आशीर्वचन प्रदान करते हुए मुमुक्षु लवेश सिंघवी को संयम मार्ग पर आगे बढ़ने पर अपनी मंगल शुभ कामनाएं देते हुए मुमुक्षु के संयम साधना पथ पर अग्रसर होने पर मंगल अनुमोदना की। उन्होंने कहा कि शूरवीर ही संयम के मार्ग पर आगे बढ़ सकते हैं। संयम लेना कायरों काम नहीं है। केसर रंग यह शूरवीरता, विजय, साहस, ओज, तेज और वीरता का प्रतीक माना गया है। कामना है कि केसर के गुणों की तरह मुमुक्षु अपने ललाट पर केसर तिलक लगाकर अपने जीवन में संयम पथिक बनकर मुक्ति की मंजिल के शिखर पर पहुंच कर अपने कर्मों पर विजय प्राप्त करें। संतों ने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मुमुक्षु भगवान महावीर के जिन शासन की, श्रमण संघ, गुरु पुष्कर की बगिया को महकाते हुए उत्तरोत्तर ज्ञान वृद्धि विकास करते हुए जिन शासन की महती प्रभावना करते हुए अमर ध्वजा को लहराते हुए हमेशा आगे बढ़ते रहें। इस अवसर पर साध्वीश्री चंदनप्रभाजी को भी उनके 49 वें संयम दीक्षा दिवस शुभकामनाएं दी गई। शुक्रवार को वसंत पंचमी पर्व पर अनेक महापुरुषों के दीक्षा दिवस, स्मृति दिवस पर उन्हें याद करते हुए उनके गुण स्मरण किए गए।ङ्कसंपूर्ण दीक्षोत्सव के लाभार्थी भंसाली एवं रातड़िया परिवार की ओर से केसर समारोह एवं मध्यान्ह में सांझी आदि के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

सिंधनूर निवासी बम्ब परिवार एवं लाभार्थी धर्म परिवारों द्वारा प्रभावना वितरित की गई। आराधना केन्द्र के महामंत्री महावीर चंद मेहता ने बताया कि शनिवार को सुबह साढ़े आठ बजे से दीक्षार्थी मुमुक्षु लवेश सिंघवी के संयम शोभायात्रा सह वर्षीदान वरघोड़ा पार्क वेस्ट क्लब हाउस से प्रारंभ होकर गुरुवन्ना देवरु मठ पहुंच कर धर्म सभा में परिवर्तित होगा। अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा ने सबका स्वागत किया। प्रवचन कार्यक्रम का संचालन शालिभद्रमुनि जी एवं केसर समारोह का संचालन महावीरचंद मेहता ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.